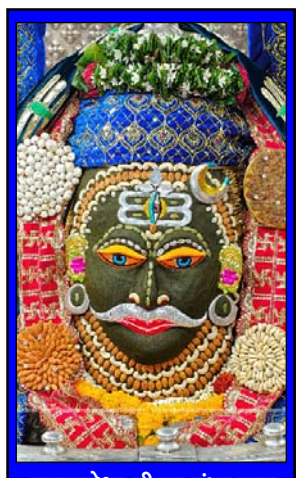

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 356 | उज्जैन, रविवार 07 जून 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

जीवन मे हम खोये हुए पल को वापस तो नही ला सकते है, लेकिन हौसले ओर विश्वास से आने वाले पल को खूबसूरत बना सकते है

म.प्र. बना निवेश एवं निर्यात का नया केंद्र, लैटिन अमेरिकी देशों में बढ़ रही 'मेड इन एमपी' उत्पादों की मांग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश है असीम अवसरों की धरती, यहां निवेश बड़े फायदे का सौदा

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश तेजी से भारत के नए वैश्विक निवेश एवं निर्यात केंद्र के रूप में उभर रहा है। हमारा मध्यप्रदेश अब वैश्विक व्यापार जगत में भी अपनी सशक्त पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत तथा लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन देशों के बीच बढ़ती परस्पर आर्थिक साझेदारी में मध्यप्रदेश भी अपनी अधिकतम क्षमताओं के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश असीम अवसरों की धरती है। प्रदेश की स्थिर और पारदर्शी नीतियां निवेश और उद्योग फ्रेंडली हैं। आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी, ऑटोमोबाइल, फार्मा इंडस्ट्री, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, डिफेंस सेक्टर, और टेक्नॉलजी के क्षेत्र में हम तेजी से प्रगति कर रहे हैं। हमारे पास 1.25 लाख एकड़ से अधिक का रेडी-टू-यूज़ लैंड बैंक उपलब्ध है। आज मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी का सबसे बड़ा हब बन चुका है। प्रदेश में 5 लाख किमी से अधिक के सुदृढ़ सड़क नेटवर्क और अत्याधुनिक रेल व हवाई कनेक्टिविटी ने यातायात को सुगम बना दिया है। अगले 5 सालों में हम 6 प्रमुख औद्योगिक कॉरिडोर विकसित करेंगे, जो मालवा से बुंदेलखंड और निमाड़ से विंध्य तक रोड़ कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लैटिन-अमेरिकी एवं कैरेबियन देशों के व्यापार प्रतिनिधियों को मध्यप्रदेश में निवेश, उत्पादन और नवाचार के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि हम आपके साथ एक ठोस और दीर्घकालिक साझेदारी के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश के मध्य में होने के कारण व्यापार-व्यवसाय के लिए सबसे अनुकूल स्थान है। राज्य में कानून- व्यवस्था की कोई परेशानी नहीं है। यहां औद्योगिक कुशल श्रमिकों की कोई कमी नहीं है। मध्यप्रदेश सबको अपनाने वाला राज्य है, जो एक बार आता है, यहीं का होकर रह जाता है। मध्यप्रदेश में खुले दिल से निवेश करें, यहां निवेश करना बड़े लाभ का सौदा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर में आयोजित भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन व्यापार एवं निवेश मंच - 2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर इस ट्रेड फोरम के उद्घाटन सत्र का विधिवत् आरंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन व्यापार एवं निवेश फोरम-2026 के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए डिजिटल प्लेटफार्म और वेबसाइट का रिमोट से शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन देशों के साझा व्यापार-व्यवसाय पर केन्द्रित स्पेशल मैगजीन द बिजनेस टायकून्स का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विगत वित्त वर्ष 2025-26 में मध्यप्रदेश का लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन देशों को निर्यात बढ़कर 3 हज़ार 835 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। इस उपलब्धि में फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र की विशेष भूमिका रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग उत्पाद, प्लास्टिक उत्पाद एवं जंबो बैग, कृषि आधारित उत्पाद तथा विनिर्माण क्षेत्र प्रदेश की निर्यात क्षमता के प्रमुख आधार बनकर उभरे हैं। ब्राजील, मेक्सिको, चिली, डोमिनिकन रिपब्लिक, अर्जेंटीना, पेरू और कोलंबिया जैसे देशों के साथ मध्यप्रदेश का व्यापारिक विनिमय लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये आंकड़े लैटिन अमेरिकी एवं कैरेबियन देशों में 'मेड इन इंडिया' के साथ 'मेड इन एमपी' उत्पादों को मिल रहे स्नेह, अपनत्व, विश्वास और दिनों-दिन बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने सुशासन और नेतृत्व क्षमता के बल पर मालवा को नई पहचान दिलवाई थी। उन्होंने कहा कि इंदौर प्राचीन काल में भी उन्नत व्यापार और व्यवसाय की सुगमता के कारण बड़ा व्यावसायिक केन्द्र हुआ करता था। पहले यहां सिल्क मार्ग से दुनियाभर में व्यापार होता था। भारत और लैटिन अमेरिका की परंपराओं में नजदीकियां दिखाई पड़ती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश आज भारत के सबसे तेज़ी से विकसित होते औद्योगिक राज्यों में से एक है। हम सच्चे अर्थों में 'वोकल फॉर लोकल' की अवधारणा को आगे बढ़ा रहे हैं, इसलिए मध्यप्रदेश की आर्थिक प्रगति अब 'लोकल से ग्लोबल' हो रही है। अब हम वैश्विक मूल्य श्रृंखला का भी एक मजबूत हिस्सा बन चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिस तरह लैटिन अमेरिका की प्राचीन संस्कृतियों ने मदर अर्थ (क्कड्डष्द्धड्डद्वड्डद्वड्ड - पचमामा) को पूजा, वैसे ही हम पंच तत्वों और प्रकृति के कण-कण को पूजते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे उत्सवों का उल्लास, संगीत, अनुराग, पारिवारिक ताना-बाना और हमारी जनजातीय कलाओं की जीवंतता सबमें बड़ी समानताएं हैं।

न्यूज ब्रीफ

अन्नामलाई के आंदोलन से 24 घंटे मे 14 लाख लोग जुड़े, भाजपा छोड़ने के बाद नई पार्टी बनाने का किया था एलान

नई दिल्ली/ जीएनएस। के. अन्नामलाई ने शुक्रवार, 5 जून को भारतीय जनता पार्टी से अलग होने की औपचारिक घोषणा कर दी और इसके कुछ ही मिनट बाद अपने खुद के राजनीतिक आंदोलन को शुरू करने की योजना का एलान कर दिया। अन्नामलाई के इस आंदोलन में 24 घंटे के भीतर करीब 14 लाख लोगों ने इसमें शामिल होने के लिए साइन-अप किया है। अन्नामलाई की भारतीय जनता पार्टी के साथ काफी समय से अनबन चल रही थी, लेकिन शुक्रवार को भाजपा पार्टी प्रमुख नितिन नवीन ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी अन्नामलाई ने अपने इस्तीफे में लिखा, इस समय, मैं शीर्ष नेतृत्व के साथ हुई कई बातचीत और पिछले 18 महीनों में मैंने जो असहमति जताई है, उसे याद करना चाहूंगा। अन्नामलाई ने आगे बताया, मैं तमिलनाडु में विकास-उन्मुख और सांस्कृतिक रूप से जुड़ी राजनीति के लिए आगे के रास्ते पर अपने विचारों से शीर्ष नेतृत्व पर और बोझ नहीं डालना चाहता। हमारे वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बातचीत के बाद, मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि तमिलनाडु को लेकर हमारे विचार मेल नहीं खाते हैं। अन्नामलाई ने 2020 में सिविल सेवा छोड़कर बीजेपी का दामन थामा था। पार्टी में शामिल होने के कुछ ही हफ्तों के भीतर उन्हें राज्य का उपाध्यक्ष बनाया गया और सिर्फ एक साल बाद, 37 साल की उम्र में, उन्हें राज्य इकाई का प्रमुख बना दिया गया। अन्नामलाई ने इस आंदोलन को सार्वजनिक जीवन और राजनीतिक सफर का अगला चरण बताते हुए युवाओं और आम नागरिकों से उनके साथ आने की अपील की। अन्नामलाई ने कहा, एक आम आदमी का राजनीति में आना बड़ी बात है। उन्होंने जन-केंद्रित राजनीति बनाने की बताई कही। साथ ही स्थायी विधायकों और सांसदों की संस्कृति वाली राजनीति को खत्म करने के लिए कहा। उन्होंने कहा, हम राजनीति को लोगों तक ले जाना चाहते हैं।

सूरत में 100 मकानों पर किसने चलाया बुलडोजर? महानगर पालिका ने बिठाई जांच

नई दिल्ली/ जीएनएस। सूरत के कतारगाम में एक सौ मकानों पर बुलडोजर फेर दिया गया लेकिन अब महानगर पालिका ने स्पष्ट किया है कि उनकी ओर से यह कार्रवाई नहीं की गई। महानगर पालिका अब इसकी जांच करा रहा है। उधर पूर्व मंत्री कुमार कानाणी ने कहा है कि आवासीय क्षैत्रों में व्यवसायिक गतिविधि की मंजूरी देने में मनपा अधिकारी भ्रष्टाचार कर रहे हैं। सूरत के नासीरनगर में गत 2 जून को दर्जनों बुलडोजर पहुंचे, उनके साथ भारी पुलिस बल भी तैनात था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना कोई नोटिस दिये उनके मकान ढहा दिये गये। महानगर पालिका ने इस कार्यवाही से अनभिज्ञता जताई है, अब इस घटना को लेकर मनपा ने एक जांच समिति बनाई है। कतारगाम विधायक वीनू मोरडिया ने कहा है कि मध्य जोन की ओर से ऐसी कोई कार्यवाही नहीं की गई है। मनपा स्थायी समिति अध्यक्ष राजन पटेल ने बताया कि इस क्षैत्र की वर्ष 1980 के बाद कोई नाप नहीं हुई थी, मनपा टीम ने गत दिनों इस क्षैत्र की मेपिंग की थी। निसार नगर के लोगों का कहना है कि नजदीक में बनी एक सोसायटी के लिए रास्ता साफ करने के लिएउनके मकान तोडे गये हैं। इसमें बिल्डर लॉबी, प्रशासन व पुलिस की मिलीभगत की भी आशंका है। उधर पूर्व मंत्री कुमार कानाणी ने कहा है कि मनपा अधिकारी लाखों रु की रिश्वत लेकर आवासीय क्षैत्रों में व्यवसायिक गतिविधि की मंजूरी दे रहे हैं। अहमदाबाद के आसाराम आश्रम पर चला बुलडोजर, आसपास के 50 मकान भी किये ध्वस्त अहमदाबाद महानगर पालिका ने मोटेरा में हजारों वर्ग मीटर जमीन पर फैले आसाराम आश्रम पर बुलडोजर चलाकर ढहा दिया है। इससे पहले प्रशासन ने आश्रम को दी गई जमीन की मंजूरी को निरस्त कर दिया था।

AI और क्लाउड कंप्यूटिंग पर बड़ी डीलः Air Trunk भारत में करेगी 300000000000 का निवेश

नई दिल्ली/ जीएनएस। हाइपरस्केल डाटा सेंटर विशेषज्ञ कंपनी एयरट्रंक ने भारत में 2030 तक डिजिटल अवसंरचना क्षमता को बढ़ावा देने के लिए तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने की योजना बनाई है, जिससे भारत वैश्विक विकास रणनीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन जाएगा।

हाइपरस्केल डाटा सेंटर अत्यधिक बड़े डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर प्लेटफार्म होते हैं, जिन्हें भारी मात्रा में डाटा प्रोसेसिंग और स्टोरेज की मांग को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को एयरट्रंक के संस्थापक और सीईओ राबिन खुदा से मुलाकात के बाद प्रौद्योगिकी कंपनी एयरट्रंक की निवेश योजनाओं और भारत में पांच गीगावाट डाटा सेंटर क्षमता विकसित करने की रणनीति की घोषणा की। उन्होंने कहा, भारत की डिजिटल अवसंरचना यात्रा उल्लेखनीय गति पकड़ रही है। एयरट्रंक ने भारत में लगभग तीन लाख करोड़ रुपये का निवेश करने और पांच गीगावाट डाटा सेंटर क्षमता विकसित करने की योजना की घोषणा की है।

जुलाई तक भारत-अमेरिका के बीच हो सकता है व्यापार समझौता, पीयूष गोयल ने दी जानकारी

नई दिल्ली/ जीएनएस। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को बताया कि भारत व अमेरिका के बीच अगले माह के मध्य तक व्यापार समझौते के पहले चरण पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। गत दो से चार जून तक दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर नई दिल्ली में होने वाली वार्ता सकारात्कम रही। उन्होंने बताया कि गत बुधवार की शाम को अमेरिका के वार्ताकारों से उनकी मुलाकात भी हुई।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा है कि भारत के साथ जल्द ही व्यापार समझौता हो जाएगा। अभी अमेरिका में वहां के सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार सभी देशों पर 10 प्रतिशत का शुल्क लग रहा है जिसकी अवधि आगामी 24 जुलाई को समाप्त हो रही है। इससे पहले अपने व्यापार कानून के सेक्शन 301 के तहत अमेरिका सभी देशों पर फिर से शुल्क लगाने की तैयारी में है। सूत्रों का कहना है कि यही वजह है कि अमेरिका भारत पर 301 के तहत 12.5 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है।

मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि अमेरिका भारत पर शुल्क लगाने के लिए अभी इस प्रकार के कई और प्रस्ताव ला सकता है। ताकि भारत व्यापार समझौते के लिए पहले से प्रस्तावित 18 प्रतिशत की दर को स्वीकार ले। इन सबके बीच अगले महीने अमेरिका के व्यापार मंत्रालय के शीर्ष प्रतिनिधि भारत के दौरे पर आ सकते हैं।

मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि भारत यह देखेगा कि अमेरिका अन्य देशों पर कितना शुल्क लगाता है।

गौरव वल्लभ की एंट्री से बदला राज्यसभा चुनाव का समीकरण, झारखंड में भाजपा के सामने क्या है चुनौती?

नई दिल्ली/ जीएनएस। झारखंड में अरसे बाद इस बार राज्यसभा चुनाव में धनबल के स्थान पर ज्ञानबल का जोर होने जा रहा है। दो सीटों पर 18 जून को होने जा रहे चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा के मुकाबले भाजपा की ओर से प्रो. गौरव वल्लभ प्रत्याशी होने जा रहे हैं।वह जमशेदपुर स्थित एक्सएलआरआई में प्रोफेसर हैं। औपचारिकता पूरी कर ली गई है।

सिर्फ आधिकारिक घोषणा बाकी है। संख्या बल के हिसाब से पहली सीट पर झामुमो प्रत्याशी का जीतना तय है। असली मुकाबला दूसरी सीट पर होना है, क्योंकि जीत के लिए 28 विधायकों का समर्थन चाहिए और भाजपा के पास सिर्फ 24 विधायक हैं।

जाहिर है, वोट प्रबंधन की जरूरत दोनों पक्षों को पड़ेगी। अलग प्रदेश बनने के बाद झारखंड में राज्यसभा का प्रत्येक चुनाव सौदेबाजी एवं क्रास वोटिंग का साक्षी रहा है। अबकी पहली चुनाव की खासियत प्रत्याशियों की पृष्ठभूमि बनने जा रही है।

कांग्रेस ने जहां संगठन और राजनीतिक अनुभव को प्राथमिकता दी है, वहीं भाजपा ऐसे चेहरे पर दांव लगाने जा रही है, जिसकी पहचान मुख्य रूप से आर्थिक नीति के विशेषज्ञ के रूप में रही है। यही कारण है कि इस चुनाव को परंपरागत शक्ति प्रदर्शन के बजाय बौद्धिक और वैचारिक मुकाबले के रूप में भी देखा जा रहा है।

कचरा फेंकने का वीडियो हुआ वायरल, ट्रोलिंग के बाद छात्र ने की आत्महत्या

नई दिल्ली/ जीएनएस। गोवा के मापुसा कस्बे के पास 23 वर्षीय कालेज छात्र ने कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली, क्योंकि सड़क किनारे कचरा फेंकने का उसका वीडियो प्रसारित होने और कानूनी कार्रवाई शुरू होने के बाद उसे आनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सैमुअल गार्विन डी ब्रागांका ने गुरुवार रात घर के बाथरूम में आत्महत्या कर ली। सैमुअल के परिवार वालों ने पत्रकारों को बताया कि वीडियो को लेकर इंटरनेट मीडिया पर ट्रोल होने के बाद वह अवसाद में चला गया था। सड़क किनारे कचरा फेंकते उसका वीडियो किसी ने बनाया था, जिसे बाद में उसने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर दिया। मापुसा पुलिस स्टेशन में सैमुअल के इस कृत्य के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई गई थी।

कांग्रेस में बड़ा संगठनात्मक बदलावः कई राज्यों में अध्यक्ष बदलने व एआइसीसी में फेरबदल तय

नई दिल्ली/ जीएनएस। कर्नाटक में सत्ता और संगठन में बदलाव के बाद अब कांग्रेस हाईकमान जल्द ही कुछ राज्यों के संगठन का चेहरा बदलने के साथ ही एआइसीसी में भी फेरबदल को अंजाम दे सकता है। असम, तमिलनाडु, राजस्थान, बिहार, दिल्ली, पंजाब और केरलम सरीखे राज्यों में प्रदेश कांग्रेस का नेतृत्व बदले जाने की पार्टी हलकों में चर्चाएं शुरू हो गई हैं। वहीं एआइसीसी में कम से कम चार राज्यों के लिए नए महासचिवों या प्रभारियों की नियुक्ति को लगभग तय माना जा रहा है।

पार्टी नेतृत्व के लिए राष्ट्रीय स्तर पर संगठन के ढांचे को अगले चुनाव के लिहाज से चुस्त-दुरूस्त करने की जहां जरूरत है, वहीं राज्यों में भी प्रभावी नेतृत्व के चेहरे को आगे लाने की चुनौती है।

एआइसीसी के स्तर पर बदलाव की बात की जाए तो बीके हरिप्रसाद के कर्नाटक कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के बाद उनकी जगह हरियाणा के लिए नए प्रभारी या महासचिव की नियुक्ति तय है।

इसी तरह केरलम में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथेला वहां मंत्री बन चुके हैं और इसलिए उनकी जगह महाराष्ट्र की जिम्मेदारी नए प्रभारी को सौंपा जाएगा। तमिलनाडु के प्रभारी गिरीश पिछले दिनों गोवा कांग्रेस के अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं और ऐसे में अब उनकी एआइसीसी से विदाई तय है। असम में कांग्रेस की हार के बाद प्रभारी महासचिव जितेंद्र सिंह इस्तीफा दे चुके हैं। पंजाब में अगले साल के प्रारंभ में विधानसभा चुनाव होने हैं और संगठन को दुरूस्त करने के साथ ही सूबे के बड़े नेताओं की गुटबाजी को थामने के लिए प्रदेश संगठन की कमान नए चेहरे को सौंपे जाने की संभावनाओं से इन्कार नहीं किया जा रहा है।

होर्मुज बंद के बीच देश में मिला नेचुरल गैस का भंडार

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में बड़ी सफलता हासिल हुई है। सरकारी कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड ने अंडमान सागर में गहरे समुद्र में प्राकृतिक गैस की मौजूदगी का पता लगाया है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इस खोज की जानकारी दी।

यह खोज श्री विजयपुरम-3 नामक खोजी कुएं में हुई है, जो अंडमान द्वीपसमूह के पूर्वी तट से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित है। यह कुआं समुद्र में 355 मीटर गहराई वाले क्षेत्र में ड्रिल किया गया था। कंपनी ने 1900 मीटर से अधिक गहराई तक ईओसीन संरचना में ड्रिलिंग की, जहां शुरुआती परीक्षण के दौरान लगातार गैस फ्लेयरिंग देखी गई, जिससे प्राकृतिक गैस की मौजूदगी की पुष्टि हुई।

हरदीप पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर कहा, अंडमान सागर में ऊर्जा संभावनाओं का विशाल समुद्र और मजबूत हुआ है। श्री विजयपुरम-3 में प्राकृतिक गैस की मौजूदगी की पुष्टि बेहद उत्साहजनक है।

समुद्र मंथन मिशन के तहत मिली सफलता- यह उपलब्धि केंद्र सरकार के समुद्र मंथन मिशन यानी नेशनल डीप वाटर एक्सप्लोरेशन मिशन के तहत हासिल हुई है। इस मिशन की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस 2025 पर की थी। इसका उद्देश्य भारत के समुद्री क्षेत्रों में गहरे और अति-गहरे जल क्षेत्रों में हाइड्रोकार्बन संसाधनों की खोज को तेज करना है।

गैस की गुणवत्ता और स्रोत का अध्ययन जारी- ऑयल इंडिया फिलहाल गैस के सैंपल एकत्र कर उसकी संरचना, ऊष्मीय क्षमता और उत्पत्ति का अध्ययन कर रही है। इसके लिए आइसोटोप परीक्षण भी किए जा रहे हैं।

सरकार के अनुसार, अंडमान बेसिन में मौजूदा अभियान के तहत ऑयल इंडिया द्वारा ड्रिल किए गए तीन खोजी कुओं में से दो में हाइड्रोकार्बन की मौजूदगी दर्ज की जा चुकी है। इससे संकेत मिलता है कि अंडमान क्षेत्र भविष्य में भारत के लिए बड़ा ऊर्जा केंद्र बन सकता है।

वैश्विक विशेषज्ञों के साथ आगे बढ़ेगा अभियान- केंद्र सरकार ने कहा है कि भारत अब वैश्विक डीपवाटर एक्सप्लोरेशन विशेषज्ञों के साथ मिलकर समुद्री ऊर्जा खोज अभियान को और तेज करेगा। माना जा रहा है कि यह खोज भारत की तेल और गैस आयात पर निर्भरता कम करने में अहम भूमिका निभा सकती है।

वर्षा जल संचयन को जनआंदोलन बनाने की तैयारी, घर-घर पहुंचेंगे स्वयंसेवक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संरक्षण और भूजल स्तर को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति, इंदौर एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधि द्वारा व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत स्वयंसेवक और कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर नागरिकों को वर्षा जल संचयन एवं भूजल पुनर्भरण के महत्व के प्रति जागरूक करेंगे।

समिति के सचिव राकेश कुमार यादव ने बताया कि इंदौर वाटर रिचार्ज मिशन के अंतर्गत वर्षा जल संचयन एवं भूजल पुनर्भरण विषय पर शनिवार को सुदर्शन भवन, पंत वैद्य कॉलोनी में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संघ की पर्यावरण संरक्षण गतिविधि की इंदौर विभाग टोली, जल संरक्षण क्षेत्र के विशेषज्ञ, तकनीकी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा सेवा प्रदाताओं ने भाग लिया।

बैठक के दौरान विशेषज्ञों ने रेनवॉटर हार्वेस्टिंग और भूजल पुनर्भरण प्रणालियों की विस्तृत जानकारी देते हुए उनकी कार्यप्रणाली और तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डाला। साथ ही वर्षा जल को सहेजने, संरक्षित करने और भूजल स्तर को बढ़ाने के लिए प्रभावी उपायों पर चर्चा की गई।

बैठक में आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए इंदौर शहर में व्यापक जनजागरण अभियान चलाने की रूपरेखा तैयार की गई। अभियान के माध्यम से नागरिकों को अपने घरों, संस्थानों और परिसरों में वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने और अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि बढ़ती जल समस्या के समाधान के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है और वर्षा जल संचयन इसके लिए सबसे प्रभावी उपायों में से एक है।

देशभर में हर साल पांच हजार करोड़ की संपत्तियों को नष्ट कर रहे दीमक और चूहे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मच्छर, चूहे, काकरोच, खटमल और दीमक अब केवल घरेलू परेशानी नहीं रहे, बल्कि जनस्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और करोड़ों की संपत्ति के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार वेक्टर जनित रोगों से हर साल सात लाख से अधिक मौतें होती है।

भारत में दीमक और चूहों के कारण हर साल करीब पांच हजार करोड़ की संपत्तियों का नुकसान हो रहा है। इन्हीं खतरों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से 6 जून विश्व कीट दिवस से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। स्कूलों में जागरूकता सत्र आयोजित होंगे और निःशुल्क निरीक्षण और वेक्टर जनित बीमारियों से बचाव की जानकारी दी जाएगी।

इंदौर पेस्ट कंट्रोल एसोसिएशन द्वारा शहर में जून-जुलाई के दौरान सरकारी स्कूलों में जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएंगे। इंदौर पेस्ट कंट्रोल एसोसिएशन द्वारा बताया गया कि कीट केवल असुविधा नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा हैं। मच्छरों से डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां फैलती हैं, जबकि चूहे, काकरोच और दीमक हर साल भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाते हैं।

तेजी से विकसित हो रहे इंदौर में फूड इंडस्ट्री, वेयरहाउसिंग, होटल व्यवसाय और आवासीय क्षेत्र बढ़ने के साथ प्रोफेशनल कीट नियंत्रण अब जरूरत बन चुका है।

'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान का शुभारंभ, प्रदेश अध्यक्ष ने किया पौधारोपण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला ग्रामीण द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान की शुरुआत ग्राम नवदा पंथ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के हाथों पौधारोपण कर की गई। भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण चावड़ा ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा 31 फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ भविष्य सुनिश्चित करने का संकल्प भी है। श्रवण चावड़ा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने हर वर्ष वृक्षारोपण को जनभागीदारी से जोड़ने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान ने देशभर में करोड़ों लोगों को पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान से जोड़ा है और इसे जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान किया है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है। कार्यक्रम में विधायक मनोज पटेल, उमा नारायण पटेल, जिला महामंत्री पूंजालाल नीनामा, अंतर दयाल, रामस्वरूप गहलोत, कोषाध्यक्ष पीयूष विजयवर्गीय, विनोद चांदनी, राजेश शर्मा, जेपी नागर सहित भाजपा जिला ग्रामीण के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा अपने दूसरे दफ्तर की तैयारी में, कांग्रेस कर रही किराये के कार्यालय का जीर्णोद्धार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा जब इंदौर में अपने दूसरे नए दफ्तर की आधारशिला रख चुकी है। कांग्रेस अपने लिए दफ्तर तो नहीं बना सकी लेकिन अपने किराये के दफ्तर गांधी भवन का जीर्णोद्धार कर रही है। गांधी भवन की सूरत और वास्तु बदलने के लिए काम शुरू कर दिया गया है। अपने किराये के दफ्तर को ठीक-ठाक करने के लिए कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने आपसी सहयोग से धन जुटाया है। एक महीने में गांधी भवन नई शक्ल ले लेगा। दशकों को बाद गांधी भवन में बड़े पैमाने पर सुधार और वास्तु बदलने का कोई काम होने जा रहा है। कांग्रेस का दफ्तर गांधी भवन में विपक्षी पार्टी असल में किराएदार है। खादीवाला ट्रस्ट के इस भवन में शुरू से ही कांग्रेस का दफ्तर लगता रहा है।

पारिवारिक विवाद में युवक की हत्या का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। द्वारकापुरी थाना क्षेत्र के सूर्यदेव नगर में हुई युवक की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि पारिवारिक विवाद के दौरान मृतक के भाई ने चाकू से हमला किया था, जबकि परिवार के अन्य सदस्यों ने मिलकर मृतक की पत्नी को झूठे मामले में फंसाने का षड्यंत्र रचा और साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया।

पुलिस के अनुसार 4 जून 2026 को सूर्यदेव नगर स्थित नाथ मोहल्ले में दोपहर करीब 2:30 बजे हरीश शितोले नामक युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला था। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद द्वारकापुरी थाने में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि घटना के समय मृतक के पिता नरेंद्र शितोले के घर में परिवार के कई सदस्य मौजूद थे। परिवार में बड़ी बहू शीतल के चरित्र को लेकर आरोप-प्रत्यारोप चल रहे थे, जिसके कारण विवाद बढ़ गया। विवाद के दौरान शीतल को घर से निकाल दिया गया था। इसके बाद उसने अपने पति हरीश को फोन पर पूरी घटना की जानकारी दी।

सूचना मिलने पर हरीश घर पहुंचा और अपनी पत्नी के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार का विरोध किया। इसी बात को लेकर उसका अपने पिता नरेंद्र और भाई प्रद्युम्न से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर मारपीट शुरू हो गई, जिसके दौरान प्रद्युम्न ने हरीश की जांघ पर चाकू से वार कर दिया।

अधिक रक्तस्राव होने से हरीश गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद परिवार के सदस्य घायल हरीश को महाराजा यशवंतराव अस्पताल लेकर पहुंचे और चिकित्सकों को बताया कि वह पहली मंजिल से गिर गया है। हालांकि अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मृत्यु हो गई।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि हरीश की मृत्यु के बाद परिवार के सदस्यों ने घटनास्थल से खून के निशान मिटाने का प्रयास किया। प्रद्युम्न की पत्नी पूजा ने घटनास्थल को साफ कर दिया और वारदात में प्रयुक्त चाकू को छिपा दिया। इसके बाद परिवार के कुछ सदस्य थाने पहुंचे और मृतक की पत्नी शीतल पर ही चाकू मारने का आरोप लगाने लगे। बाद में जब उन्हें पता चला कि घटना के समय शीतल थाने में मौजूद थी, तो उन्होंने बयान बदलते हुए दावा किया कि हरीश ने स्वयं को चाकू मार लिया था।

पुलिस ने विरोधाभासी बयानों और तकनीकी साक्ष्यों की गहन जांच के बाद पाया कि हरीश पर चाकू से हमला उसके भाई प्रद्युम्न ने किया था तथा परिवार के अन्य सदस्यों ने मिलकर सच्चाई छिपाने और शीतल को झूठे मामले में फंसाने का प्रयास किया था। इसके आधार पर हत्या, साक्ष्य नष्ट करने और आपराधिक षड्यंत्र की धाराओं में मामला दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों में प्रद्युम्न सितोलिया, दीक्षा चावड़ा, पूजा सितोलिया और पुष्पा सितोलिया शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मामले के खुलासे में द्वारकापुरी थाना प्रभारी मनीष मिश्र सहित थाना स्टाफ, चंदन नगर थाना पुलिस और साइबर सेल जोन-4 की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विदुर नगर कैफे हत्याकांड का खुलासा, नौ आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। द्वारकापुरी थाना क्षेत्र स्थित विदुर नगर के एक कैफे में हुई युवक की हत्या के मामले का पुलिस ने चंद घंटों में खुलासा करते हुए नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पुरानी कहासुनी और आपसी रंजिश के चलते आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया था।

पुलिस के अनुसार 4 जून 2026 को विदुर नगर स्थित एक कैफे में युवक की हत्या की सूचना प्राप्त होने पर द्वारकापुरी थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और मामले के खुलासे के निर्देश दिए। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी द्वारकापुरी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई।

विवेचना के दौरान मुखबिर की सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने प्रारंभिक रूप से अनिकेत पाल, अंकित पाल, गौरव और आकाश को हिरासत में लिया। पूछताछ में सामने आया कि 22 मई को मृतक क्रिश श्रीवास्तव और आरोपी अनिकेत पाल के बीच कहासुनी हुई थी। अगले दिन मृतक ने घटना की जानकारी अपने मित्र आदर्श जोशी को फोन पर दी थी, जिसकी रिकॉर्डिंग आदर्श ने अपने मोबाइल में सुरक्षित कर ली थी। बाद में यह रिकॉर्डिंग अंकित पाल तक पहुंची, जिसे सुनने के बाद अनिकेत, अंकित और शिवम ने मिलकर हत्या की साजिश रची।

योजना के तहत आदर्श जोशी ने मृतक क्रिश को फोन कर विदुर नगर स्थित आर-वन कैफे बुलाया। जैसे ही क्रिश कैफे पहुंचा, आदर्श ने इसकी सूचना आरोपियों को दे दी। इसके बाद अंकित, अनिकेत, गौरव, आकाश, शिवम, अश्विन, करण और अभिषेक वहां पहुंचे और चाकुओं से हमला कर क्रिश की हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए थे।

पुलिस ने मामले में अनिकेत पाल, गौरव उर्फ काला, अंकित पाल, आकाश उर्फ छोटू चौधरी, शिवम पाल, अश्विन चौहान, करण अमोलिया, आदर्श जोशी तथा अभिषेक उर्फ डबल को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी मनीष मिश्र सहित द्वारकापुरी थाना स्टाफ, चंदन नगर थाना पुलिस एवं साइबर सेल जोन-4 की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने हत्या के मामले का त्वरित खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी को बड़ी सफलता बताया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जनप्रतिनिधियों ने जाना इंदौर की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण मॉडल की सफलता

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर निगम इंदौर द्वारा अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों के लिए विशेष एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शहर की उत्कृष्ट स्वच्छता व्यवस्था, कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नवाचारों की जानकारी साझा करना तथा इन व्यवस्थाओं को जनभागीदारी के माध्यम से और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रेरित करना था।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य राजेश उदावत, पार्षद मृदुल अग्रवाल सहित अन्य पार्षद, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं एनजीओ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने नगर निगम द्वारा संचालित विभिन्न स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन इकाइयों का निरीक्षण कर उनकी कार्यप्रणाली को करीब से समझा।

भ्रमण के प्रथम चरण में दल ने राजशाही गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन (जीटीएस) का दौरा किया। यहां शहर से एकत्रित होने वाले ठोस अपशिष्ट के वैज्ञानिक संग्रहण, पृथक्करण और परिवहन की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि आधुनिक तकनीकों और सुव्यवस्थित प्रबंधन के माध्यम से शहर की स्वच्छता को बनाए रखा जा रहा है।

इसके बाद प्रतिभागियों ने केसरबाग स्थित आरआरआर (रिड्यूस, रीयूज, रिसाइकिल) सेंटर का अवलोकन किया। यहां उपयोग में नहीं आने वाली लेकिन पुनः उपयोग योग्य वस्तुओं के संग्रहण, पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने इस मॉडल को पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी का प्रभावी उदाहरण बताया। अधिकारियों ने बताया कि आरआरआर मॉडल संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ कचरे की मात्रा कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

भ्रमण के अंतिम चरण में दल ने देवगुराड़िया वेस्ट प्रोसेसिंग साइट का निरीक्षण किया। यहां प्रतिभागियों को ठोस अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रसंस्करण, कम्पोस्ट निर्माण, रिसाइक्लिंग तथा अपशिष्ट से उपयोगी संसाधन तैयार करने की प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि इंदौर ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कई ऐसे नवाचार लागू किए हैं, जो देशभर के लिए मॉडल के रूप में स्थापित हुए हैं।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में इंदौर द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए इन मॉडलों को वार्ड स्तर पर भी प्रभावी रूप से लागू करने का संकल्प व्यक्त किया।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को मिली गति, इंदौर पुलिस के विशेष प्रशिक्षण शिविर का प्रथम चरण संपन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी सिंहस्थ-2028 महापर्व की तैयारियों को लेकर इंदौर पुलिस ने व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण अभियान शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में डीआरपी लाइन इंदौर में आयोजित छह दिवसीय विशेष सिंहस्थ प्रशिक्षण शिविर के प्रथम चरण का शनिवार को समापन हुआ। समापन कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे और प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया।

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार 1 जून से 6 जून 2026 तक आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में सिंहस्थ महापर्व के दौरान सुरक्षा, कानून व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और जनसुविधाओं के संचालन से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त ने प्रशिक्षणार्थियों से संवाद करते हुए सिंहस्थ जैसे विशाल धार्मिक आयोजन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, कर्तव्यों और चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि सिंहस्थ विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में शामिल है, जिसमें करोड़ों श्रद्धालु शामिल होते हैं। ऐसे आयोजन में पुलिस बल की दक्षता, संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय क्षमता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। प्रशिक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं के प्रति सेवा भाव, तनाव प्रबंधन, जनसंपर्क कौशल तथा आधुनिक तकनीक आधारित पुलिसिंग के विभिन्न पहलुओं से भी अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) आर.के. सिंह, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) सीमा अलावा, रक्षित निरीक्षक दीपक कुमार पाटील सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र भी वितरित किए गए।

पुलिस विभाग के अनुसार यह प्रशिक्षण कार्यक्रम चरणबद्ध तरीके से दिसंबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। प्रत्येक बैच को छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल के तहत प्रशिक्षित किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत इंदौर पुलिस कमिश्नरेट के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, ताकि सिंहस्थ-2028 के दौरान वे अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें।

प्रशिक्षण मॉड्यूल में सिंहस्थ का इतिहास एवं महत्व, अखाड़ों और साधु-संत परंपराओं की जानकारी, मेला क्षेत्र की संरचना, भीड़ मनोविज्ञान, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, पार्किंग एवं डायवर्जन व्यवस्था, आपदा प्रबंधन, अग्नि सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं के समन्वय, साइबर सुरक्षा, सोशल मीडिया प्रबंधन, महिला एवं बाल सुरक्षा, मानवाधिकार और संकट की परिस्थितियों में संवाद जैसे विषय शामिल किए गए हैं।

इसके अलावा सिंहस्थ के दौरान संभावित यातायात दबाव को देखते हुए पुलिसकर्मियों को ट्रैफिक डायवर्जन, वैकल्पिक मार्ग योजना, पार्किंग प्रबंधन, आपातकालीन वाहनों की निर्बाध आवाजाही और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने संबंधी विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

निर्माणाधीन सड़कों के निरीक्षण में आयुक्त सख्त, धीमी प्रगति पर एजेंसियों को फटकार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शनिवार सुबह शहर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण कर निर्माण एजेंसियों और अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सड़क निर्माण कार्यों की धीमी गति पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित एजेंसियों को फटकार लगाई और समयसीमा का पालन नहीं करने पर पेनल्टी लगाने के निर्देश भी दिए।

आयुक्त ने सबसे पहले मेघदूत गार्डन का निरीक्षण किया, जहां ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने वाले अतिथियों द्वारा पौधारोपण किया जाना है। जनकार्य एवं उद्यान प्रभारी राजेंद्र राठौर तथा निगम अधिकारियों के साथ किए गए निरीक्षण के दौरान उन्होंने पौधारोपण स्थल की तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके बाद आयुक्त ने सांवेर रोड पर चल रहे सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। यहां कार्य की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी पाए जाने पर उन्होंने निर्माण एजेंसी एसकेएस इन्फ्रा प्रोजेक्ट लिमिटेड के प्रतिनिधि को फटकार लगाते हुए निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। इसी तरह मालवीय नगर में निर्माणाधीन सड़क कार्य का निरीक्षण करने पर हाइवे इंफ्रास्ट्रक्चर एजेंसी की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जताई गई।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा नहीं होता है तो संबंधित एजेंसियों पर नियमानुसार पेनल्टी लगाई जाए। उन्होंने परियोजनाओं की निगरानी कर रहे कंसल्टेंट की भूमिका पर भी असंतोष व्यक्त करते हुए कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग और निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने कहा कि सड़क निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप होना चाहिए और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

ड्रोन की नजर में शहर का ट्रैफिक, नियम तोड़ने वालों पर त्वरित कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए यातायात पुलिस अब आधुनिक तकनीक का व्यापक उपयोग कर रही है। इसी क्रम में शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर ड्रोन के माध्यम से यातायात व्यवस्था की निगरानी की जा रही है। ड्रोन सर्विलांस के जरिए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर नजर रखकर उनके विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह के मार्गदर्शन तथा पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में यह अभियान संचालित किया जा रहा है। यातायात पुलिस द्वारा पिक आवर्स के दौरान शहर के व्यस्ततम मार्गों और चौराहों पर ड्रोन से निगरानी रखी जा रही है, जिससे यातायात की स्थिति का वास्तविक समय में आकलन किया जा सके।

ड्रोन सर्विलांस के दौरान नो पार्किंग, रॉन्ग साइड ड्राइविंग, यातायात संकेतों का उल्लंघन तथा अन्य नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों की पहचान कर मौके पर तैनात यातायात पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई की गई। यातायात विभाग ने ड्रोन निगरानी के दायरे को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए शहर के चारों यातायात जोनों में अलग-अलग ड्रोन टीमों को तैनात किया है।

ड्रोन के माध्यम से राजवाड़ा, फ्रूट मार्केट, यशवंत रोड, खजूरी बाजार, सराफा, संजय सेतु, नंदलालपुरा, मृगनयनी क्षेत्र सहित विजयनगर, रसोमा, सत्यसाई, एलआईजी, पलासिया, घंटाघर, गिटार तिराहा और इंडस्ट्रीज हाउस जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निगरानी की गई।

यातायात बाधित होने की स्थिति में ड्रोन सर्विलांस टीम द्वारा तत्काल कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। इसके बाद कंट्रोल रूम ने नजदीकी यातायात पुलिसकर्मियों को अलर्ट कर मौके पर व्यवस्था सुचारू कराई। यातायात पुलिस का कहना है कि भविष्य में भी शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर ड्रोन सर्विलांस के माध्यम से निगरानी और कार्रवाई का अभियान लगातार जारी रहेगा।

मंदसौर को जंक्शन के रूप में विकसित करने की संभावना को देखते हुए नए प्लेटफार्म के निर्माण की योजना अभी से तैयार की जाए-राजदीप परवाल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक एवं रतलाम मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में मंदसौर संसदीय क्षेत्र से सांसद सुधीर गुप्ता की ओर से उनके प्रतिनिधि राजदीप परवाल ने भाग लेते हुए क्षेत्र की रेल सुविधाओं, नई ट्रेनों, स्टेशन विकास एवं यात्री सुविधाओं से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण प्रस्ताव अधिकारियों के समक्ष रखे। बैठक में राजदीप परवाल ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मंदसौर स्टेशन का निर्माण आगामी 50 वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है, इसलिए भविष्य में मंदसौर को जंक्शन के रूप में विकसित करने की संभावना को देखते हुए नए प्लेटफार्म के निर्माण की योजना अभी से तैयार की जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि प्लेटफार्म क्रमांक-1 पर यात्रियों के आवागमन के लिए अलग-अलग प्रवेश एवं निकास मार्ग बनाए जाएं। इसके लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई प्रशासन के समन्वय से शीघ्र प्रारंभ की जाए।

बैठक में मंदसौर में भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए नई पिट लाइन के लिए भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव तैयार करने की भी मांग रखी गई। साथ ही प्लेटफार्म क्रमांक-2 की ओर टिकट खिड़की सहित अन्य यात्री सुविधाओं के विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने तथा वर्तमान में बंद किए गए प्लेटफार्म-2 के प्रवेश द्वार को पुनः खोलने का आग्रह किया गया। सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि रतलाम-नीमच दोहरीकरण, विभिन्न अंडरब्रिजों एवं स्टेशनों पर हुए विकास कार्यों का लोकार्पण शीघ्र कराया जाए। साथ ही अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित हो रहे मंदसौर एवं नीमच रेलवे स्टेशनों के निरीक्षण के लिए जल्द तिथि निर्धारित करने की मांग भी रखी गई। बैठक में रेल संचालन संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए कहा गया कि ट्रेन संख्या 19315-16 इंदौर-असारवा एक्सप्रेस को उदयपुर-असारवा खंड में भी एक्सप्रेस के रूप में संचालित किया जाए, ताकि क्षेत्र के मरीज समय पर अहमदाबाद पहुंचकर उसी दिन चिकित्सा सुविधाओं का लाभ ले सकें। इसके लिए उत्तर पश्चिम रेलवे से समन्वय करने का अनुरोध किया गया। इसके अलावा ट्रेन संख्या 20957-58 इंदौर-हिसार ट्रेन, जिसे मूल रूप से मंदसौर होकर चलाने का प्रस्ताव था लेकिन रतलाम-कोटा मार्ग से प्रारंभ किया गया, उसके स्थान पर इंदौर-मंदसौर-नीमच होकर सुबह जल्दी दिल्ली पहुंचने वाली नई ट्रेन का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई। बैठक में सांसद प्रतिनिधि ने मंदसौर संसदीय क्षेत्र में ट्रेनों के ठहराव, नई ट्रेनों के संचालन, स्टेशनों के विस्तार, अमृत भारत

योजना के कार्यों और यात्री सुविधाओं से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार करने तथा शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई करने का आग्रह किया। रतलाम मंडल में आयोजित सांसद समीक्षा बैठक में मंदसौर संसदीय क्षेत्र में रेल यात्री सुविधाओं के विकास, ट्रेनों के ठहराव, नई रेल सेवाओं के संचालन तथा रेलवे अधोसंरचना के विस्तार से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे गए। बैठक में क्षेत्रीय यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को प्रमुखता से उठाया गया। सांसद द्वारा जावरा, कचनारा, पीपलिया, मल्हारगढ़, जावद और बिसलवास कला सहित विभिन्न स्टेशनों पर कई महत्वपूर्ण एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग की गई। इसके साथ ही उज्जैन-चित्तौड़गढ़ पैसेंजर ट्रेन को सभी स्टेशनों पर ठहराव देने का प्रस्ताव भी रखा गया। बैठक में ग्वालियर-रतलाम और भिंड-रतलाम ट्रेनों का विस्तार नीमच तक करने, इंदौर-जबलपुर एवं इंदौर-बिलासपुर एक्सप्रेस को फतेहाबाद-रतलाम-नीमच मार्ग से बढ़ाने तथा जयपुर-भोपाल वंदे भारत ट्रेन शुरू करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। इसके अलावा इंदौर-बीकानेर महामना एक्सप्रेस और इंदौर-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस के फेरों में वृद्धि का प्रस्ताव भी रखा गया। रतलाम-नीमच रेलखंड के दोहरीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद इंदौर-माता वैष्णो देवी, इंदौर-हरिद्वार, इंदौर-अहमदाबाद सहित लंबी दूरी की नई ट्रेनों को फतेहाबाद-रतलाम-मंदसौर-नीमच मार्ग से संचालित करने का सुझाव दिया गया। साथ ही इंदौर-भिवानी ट्रेन को नियमित सेवा के रूप में चलाने और इंदौर-जयपुर नई ट्रेन को शीघ्र प्रारंभ कराने की मांग भी रखी गई। रेलवे फाटकों और ओवरब्रिजों के संबंध में नीमच स्टेशन बघाना रोड ओवरब्रिज, हिंगोरिया फाटक ओवरब्रिज एवं दलौदा ओवरब्रिज की वर्तमान स्थिति की जानकारी मांगी गई। वहीं बारिश के दौरान अंडरब्रिजों में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान करने पर भी जोर दिया गया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नाहरगढ़ पर 100 दिवसीय निश्चय शिविर एवं मलेरिया कार्यशाला का आयोजन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नाहरगढ़ में 100 दिवसीय निश्चय अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय निश्चय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के नागरिकों को निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं शिविर के दौरान एक्स-रे सीबी-नैट/टीबी जांच शुगर एवं ब्लड प्रेशर परीक्षण की निःशुल्क व्यवस्था की। शिविर में कुल 132 हितग्राहियों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा 12 संदिग्ध टीबी मरीज चिन्हित किए गए जिनका आगे स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार की प्रक्रिया प्रारंभ की गई पेंशनर संघ नाहरगढ़ के अध्यक्ष रामकृष्ण वैष्णव के आग्रह पर 10 पेंशनरों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क एक्स-रे एवं दवाइयों का वितरण किया गया

कार्यक्रम में क्षेत्रीय सुपरवाइजर अकील मंसूरी संजय दुबे आशा सहयोगिनी यशोदा चौहान एवं नाहरगढ़ क्षेत्र की समस्त आशा कार्यकर्ताओं ने सराहनीय योगदान दिया कार्यक्रम में समाजसेवी उत्तम सिंह नरवरिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसी अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नाहरगढ़ में मलेरिया कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।बताया गया कि 1 जून से 30 जून तक विशेष मलेरिया जागरूकता एवं नियंत्रण अभियान चलाया जाएगा अभियान के अंतर्गत मच्छरों से होने वाली बीमारियों की रोकथाम बचाव एवं उपचार संबंधी जानकारी आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण के माध्यम से दी गई। कार्यशाला में क्षेत्रीय सुपरवाइजर अकील मंसूरी, संजय दुबे, समाजसेवी यू.एस. नरवरिया, सेक्टर की महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं क्षेत्र की सभी आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना एवं मलेरिया जैसी बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

नाहरगढ़ पंचायत की दुकानों की नीलामी में 29.53 लाख की बोली, मौके पर 25 प्रतिशत राशि जमा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाहरगढ़ पंचायत की 4 दुकानों की नीलामी हुई। कुल 29.53 लाख की बोली लगी। सबसे ज्यादा 16.02 लाख अशोक पिता बालूराम ने दुकान नं. 4 के लिए दी। नीलामी के बाद 25त्न राशि तुरंत जमा कराई गई। 5 जून को ग्राम पंचायत नाहरगढ़ द्वारा पंचायत परिसर स्थित दुकानों की सार्वजनिक नीलामी प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई। नीलामी में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं बोलीदाताओं ने भाग लिया। पारदर्शी एवं नियमानुसार आयोजित नीलामी से ग्राम पंचायत को कुल 29 लाख 53 हजार रुपये की आय प्राप्त हुई। नीलामी में प्राप्त सर्वोच्च बोलियां दुकान क्रमांक 1 राजमल पिता रामचंद्र सोनी 3,51,000, दुकान क्रमांक 2 दशरथ पिता रामप्रताप 5,00,000, दुकान क्रमांक 3 दिलीप पिता प्रभुलाल 5,00,000, दुकान क्रमांक अशोक पिता बालूराम 16,02,000 राशि में उनके नाम रही। खास बात यह रही कि नीलामी उपरांत 25 प्रतिशत राशि मौके पर जमा कराई गई। चारों दुकानों की नीलामी से ग्राम पंचायत को कुल 29,53,000 लाख की आय प्राप्त हुई। नीलामी समाप्ति के पश्चात सफल बोलीदाताओं से नियमानुसार बोली राशि का 25 प्रतिशत हिस्सा मौके पर ही जमा कराया गया। शेष राशि निर्धारित नियमों एवं समय-सीमा के अनुसार जमा कराई जाएगी। नीलामी प्रक्रिया के दौरान उपसरपंच पदम सिंह चौहान, जनपद पंचायत सीतामऊ से सहायक विस्तार अधिकारी कपिल धाकड़, सचिव प्रदीप व्यास, सहायक सचिव महेंद्र शर्मा, एरा ग्राम सचिव घनश्याम पाटीदार, शेषराम सोनी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मनासा में बड़ी कार्रवाईः भाजपा नेता की 8 दुकानें बुलडोजर से ध्वस्त, करोड़ों की शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद मनासा ने शनिवार को अतिक्रमण के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुराने सरकारी अस्पताल के पीछे स्थित शासकीय सर्वे नंबर की भूमि पर अवैध रूप से निर्मित आठ दुकानों पर प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर उन्हें पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई से क्षेत्र के अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया है।

दोपहर 3 बजे भारी पुलिस बल के साथ पहुंचा अमला- शनिवार दोपहर करीब तीन बजे तहसीलदार मुकेश निगम, मुख्य नगरपालिका अधिकारी संजय पाटीदार, उपयंत्री रविश कादरी, नगर परिषद का दस्ता और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। इसके बाद दल-बल के साथ अवैध निर्माण को ढहाने की कार्रवाई शुरू की गई। कार्रवाई के दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई थी।

यह पूरी कार्रवाई कुकड़ेश्वर के भाजपा नेता और नगर परिषद कुकड़ेश्वर के उपाध्यक्ष प्रतिनिधि उज्जवल पटवा से जुड़े निर्माण पर की गई है। मुक्त कराई गई लगभग 4800 वर्ग फीट भूमि की सरकारी गाइडलाइन के अनुसार कीमत करोड़ों रुपये में आंकी जा रही है, ध्वस्त की गई दुकानों के निर्माण में लगभग 60 से 70 लाख रुपये की लागत आई थी।

क्या था मामला और कैसे हुई कार्रवाई- इस अवैध निर्माण का मामला स्थानीय पत्रकार रवि उपाध्याय द्वारा उठाया गया था, जिसके बाद नगर परिषद को लिखित शिकायतें प्राप्त हुई थीं।

10 मई 2023ः नगर परिषद मनासा ने उज्जवल पटवा को नोटिस देकर सीमांकन होने तक निर्माण कार्य रोकने का आदेश दिया था।

18 मई 2023ः पटवारी, राजस्व निरीक्षक (ऋढ़ू.) कुलदीप डामोर, उपयंत्री रविश कादरी और परिषद के कर्मचारियों की उपस्थिति में निर्माण स्थल का सीमांकन किया गया। सीमांकन में पाया गया कि निर्माण स्वीकृत जगह से अधिक और सरकारी जमीन पर था। इसके बाद आर.आई. कुलदीप डामोर ने पंचनामा बनाकर परिषद को सौंपा।

परिषद का दावाः परिषद के अनुसार निर्माणकर्ता को केवल एक दुकान की अनुमति दी गई थी, लेकिन मौके पर आठ दुकानों का अवैध निर्माण कर लिया गया। इसके बाद परिषद ने निर्माण अनुमति और नामांतरण को निरस्त कर दिया था। यह मामला पहले एडीएम कोर्ट पहुंचा था, जहां परिषद के प्रस्ताव को निरस्त कर दिया गया था। इसके बाद नगर परिषद ने हाईकोर्ट का रुख किया।

मनासा ष्टस्ह्र संजय पाटीदार ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि- उज्जवल पटवा द्वारा बनाई गई दुकानों को हटाया गया है क्योंकि यह निर्माण बिना वैधानिक अनुमति और नामांतरण के किया गया था। इसके साथ ही उनके पास टीएनसी का कोई अप्रूवल भी नहीं था। नगर पालिका परिषद ने पूर्व में ही इसके विरुद्ध प्रस्ताव पारित किया था। माननीय हाईकोर्ट ने नगर पालिका के प्रस्ताव को सही माना है और इसी आदेश के परिपालन में प्रशासन ने यह अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है।

रणायरा में पौधरोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण का संकल्प लेना होगा-अर्जुनसिंह

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहतं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मल्हारगढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत रणायरा में पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम जिला समन्वयक तृप्ति बैरागी के मार्गदर्शन एवं जिला समन्वय के निर्देशानुसार नवांकुर संस्था श्री श्री मां शक्ति सेवा संस्थान द्वारा संपन्न कराया गया। संस्था की सचिव राधिका तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण किया गया तथा ग्रामीणों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण देने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण का संकल्प लेना होगा। कार्यक्रम में अर्जुन सिंह (सरपंच प्रतिनिधि), इंदर सिंह बोराणा (प्रस्फुटन समिति), नरेंद्र सिंह सोनगरा (भाजपा मंडल अध्यक्ष), राकेश दायमा सोनगरा, दशरथ दायमा सोनगरा (भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष), समिति अध्यक्ष गोपाल तिवारी एवं संस्था सचिव राधिका तिवारी सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

हर घर जल के दावों के बीच नलों से निकल रहा कीड़ों वाला पानी !

वार्ड 13 के रहवासी बोले- पीने का पानी नहीं, बीमारी सप्लाई हो रही है

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एक ओर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर शहर के वार्ड क्रमांक-13 स्थित बगीचा नंबर-5 क्षेत्र के रहवासी दूषित पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि नलों से आने वाले पानी को देखकर लोग उसे पीना तो दूर, उपयोग करने से भी डर रहे हैं।

क्षेत्रवासियों के अनुसार पिछले करीब एक माह से घरों में मटमैला, बदबूदार और कीड़ों वाला पानी पहुंच रहा है। लोगों का कहना है कि ऐसा लगता है मानो नलों से पानी नहीं, बल्कि बीमारियों की सप्लाई की जा रही हो। मजबूरी में इसी पानी का उपयोग करना पड़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी बढ़ने लगी हैं।

रहवासियों का आरोप है कि समस्या की जानकारी कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को दी गई, लेकिन हालात में कोई सुधार नहीं हुआ। लोगों का कहना है कि शिकायतें फाइलों में घूम रही हैं और गंदा पानी अब भी नलों से बह रहा है।

क्षेत्र में जल प्रदाय का कोई निश्चित समय भी नहीं है। जब पानी आता है तो लोग उम्मीद करते हैं कि शायद इस बार साफ पानी मिलेगा, लेकिन नलों से निकलते मटमैले पानी को देखकर उनकी उम्मीदें भी धुंधली हो जाती हैं।

स्थानीय नागरिकों ने जल गुणवत्ता की जांच, पाइपलाइन की सफाई और नियमित स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो जिम्मेदारों के खिलाफ जनआंदोलन खड़ा किया जाएगा।

क्षेत्रवासियों का सवाल है कि जब नलों से कीड़े निकल रहे हैं तो आखिर स्वच्छ पेयजल के दावे कागजों में पूरे हो रहे हैं या जमीन पर?

खादी उद्योग को नई ऊंचाई पर ले जाएंगे, पीपी मोड पर दुकान देंगे : अध्यक्ष पंकज जोशी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष पंकज जोशी ने शनिवार को मंदसौर स्थित कम्बल केन्द्र एवं खादी ग्रामोद्योग एम्पोरियम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खादी उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं नवाचारों पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष जोशी ने कहा कि खादी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए पीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड पर दुकानों का संचालन किया जाएगा, जिससे निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ेगी तथा खादी उत्पादों का व्यापक प्रचार-प्रसार हो सकेगा। उन्होंने कहा कि आमजन को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण खादी सामग्री उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। खादी उत्पादों में गुणवत्ता के साथ-साथ उत्पादन क्षमता बढ़ाने तथा श्रमिकों की समस्याओं के समाधान की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। जोशी ने कम्बल केन्द्र में तैयार हो रहे कम्बलों की गुणवत्ता का अवलोकन किया तथा हैंडलूम, मिलिंग मशीन, बॉयलर मशीन एवं मॉडिफाई चरखे का निरीक्षण किया। इसके पश्चात उन्होंने खादी वस्तुओं के बिक्री भंडार एवं दुकानों का भ्रमण कर उपलब्ध उत्पादों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को खादी उत्पादों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष जोशी ने ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के अंतर्गत कम्बल केन्द्र परिसर में पौधारोपण भी किया।

पोषण भी, पढ़ाई भी अभियान तहत नवीन आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण संपन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में 21 नवीन नियुक्त आंगनवाडी कार्यकर्ता को पोषण भी पढ़ाई अभियान के तहत प्रथम चरण का प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों को सक्षम बनाने और प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस विशेष अभियान के तहत नवनियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर शुक्रवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पोषण भी पढ़ाई भी अभियान केवल एक नारा नहीं, बल्कि बच्चों के समग्र विकास का एक मजबूत आधार है। इस प्रशिक्षण से कार्यकर्ता जमीन स्तर पर बाल विकास सेवाओं को अधिक प्रभावी बना सकेंगी। शिविर के अंत में सभी प्रशिक्षित नवीन आंगनवाडी कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया।

करंट का झटका और पोल से गिरा लाइनमैन, जिंदगी और मौत के बीच जंग; बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

नाका नंबर-4 दरगाह के पास हुआ हादसा, गंभीर हालत में उदयपुर रेफर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के बघाना क्षेत्र में बिजली लाइन पर काम कर रहे एक लाइनमैन के साथ हुए गंभीर हादसे ने बिजली विभाग की सुरक्षा व्यवस्थाओं और कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नाका नंबर-4 दरगाह के पास विद्युत लाइन पर कार्य के दौरान करंट लगने से लाइनमैन त्रिलोक प्रजापति गंभीर रूप से घायल हो गए। करंट का झटका लगते ही वे पोल से नीचे गिर पड़े, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत चिंताजनक होने पर उदयपुर रेफर किया गया है, जहां उनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार त्रिलोक प्रजापति पुत्र हुकुमचंद प्रजापति मध्यप्रदेश विद्युत मंडल में लाइनमैन के पद पर कार्यरत हैं। गुरुवार को वे बघाना क्षेत्र स्थित नाका नंबर-4 दरगाह के पास विद्युत लाइन के रखरखाव और सुधार कार्य में लगे हुए थे। इसी दौरान अचानक अर्थ रिटर्न होने की आशंका के बीच उन्हें करंट लग गया। करंट का झटका इतना तेज था कि वे संतुलन खो बैठे और ऊंचाई से नीचे गिर गए।

घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय नागरिकों ने तत्काल डायल-112 को सूचना दी और घायल कर्मचारी को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उदयपुर रेफर कर दिया।

परिजनों ने लगाए उपेक्षा के आरोप- घायल कर्मचारी के परिजनों का आरोप है कि हादसे के बाद विभाग के किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने उनकी सुध नहीं ली। न तो अस्पताल पहुंचकर हालचाल जाना गया और न ही उपचार की कोई विशेष व्यवस्था की गई। परिजनों का कहना है कि वे अपने स्तर पर ही इलाज का पूरा खर्च और व्यवस्था संभाल रहे हैं।

स्टाफ की कमी और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल - हादसे के बाद विभागीय कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग में लंबे समय से बनी हुई स्टाफ की कमी का मुद्दा भी उठाया है। कर्मचारियों का कहना है कि कई बार सीमित स्टाफ के कारण लाइनमैनों को पर्याप्त सहयोग के बिना ही जोखिम भरे कार्य करने पड़ते हैं। बिजली लाइनों पर काम करने के दौरान सुरक्षा उपकरण, निगरानी और तकनीकी सावधानियां बेहद आवश्यक होती हैं, लेकिन कई बार इन व्यवस्थाओं में कमी देखने को मिलती है।

कर्मचारियों का मानना है कि यदि पर्याप्त स्टाफ और सुरक्षा इंतजाम उपलब्ध हों तो इस प्रकार की घटनाओं की संभावना काफी हद तक कम हो सकती है। हादसे ने एक बार फिर उन कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर बहस छेड़ दी है, जो रोजाना अपनी जान जोखिम में डालकर बिजली आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने का काम करते हैं।

उठ रहे कई सवाल- इस घटना के बाद लोगों के बीच कई सवाल चर्चा का विषय बने हुए हैं। क्या लाइन पर कार्य शुरू करने से पहले सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था? क्या लाइन पूरी तरह से शटडाउन थी? क्या मौके पर पर्याप्त तकनीकी सहायता उपलब्ध थी? और सबसे बड़ा सवाल, हादसे के बाद विभागीय जिम्मेदारी आखिर किसने निभाई?

फिलहाल घायल लाइनमैन का उपचार जारी है और पूरा परिवार उनकी सलामती की दुआ कर रहा है। वहीं यह घटना बिजली विभाग के सुरक्षा प्रबंधन और कर्मचारियों के कार्यस्थल संरक्षण को लेकर गंभीर चिंताओं को उजागर कर रही है।

केबिन से बाहर निकले एसपी, फरियादियों के बीच पहुंचकर सुनी समस्याएं

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने की दिशा में नीमच के पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने एक अलग और सराहनीय पहल की है। आमतौर पर अधिकारी अपने कार्यालय में बैठकर जनसुनवाई करते हैं, लेकिन एसपी राजेश व्यास ने परंपरागत व्यवस्था से हटकर सीधे फरियादियों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की संख्या अधिक होने पर राजेश व्यास स्वयं अपने केबिन से बाहर निकलकर कार्यालय परिसर में पहुंचे। उन्होंने आम नागरिकों के बीच खड़े होकर एक-एक व्यक्ति की शिकायत सुनी और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। जनसुनवाई के दौरान एसपी ने कई मामलों में मौके पर ही संबंधित थाना प्रभारियों से दूरभाष पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का त्वरित एवं निष्पक्ष निराकरण प्राथमिकता है और किसी भी पीड़ित को न्याय के लिए अनावश्यक रूप से भटकना नहीं पड़ेगा। इस दौरान एक दिव्यांग बुजुर्ग फरियादी को देखकर एसपी राजेश व्यास ने संवेदनशीलता का परिचय दिया। उन्होंने बुजुर्ग से आत्मीयता के साथ कहा, दादा, आपको कष्ट करके यहां आने की क्या जरूरत थी, हम स्वयं बाहर आकर आपकी बात सुन लेते। एसपी के इस व्यवहार ने वहां मौजूद लोगों को प्रभावित किया। जनसुनवाई के दौरान फरियादियों के दस्तावेजों का अवलोकन करते हुए उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। पुलिस अधीक्षक की इस कार्यशैली को आमजन ने सकारात्मक पहल बताते हुए सराहा है।

सम्पादकीय

वैश्विक व्यवस्था में बढ़ा सौदेबाजी का चलन, क्या भारत बनेगा नई उम्मीद?

वर्तमान समय में अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ राष्ट्रों की विदेश नीति से जुड़े व्यवहार को सौदेबाजी की तरह देखते हैं। यह सौदेबाजी द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अस्तित्व में आई नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय वैश्विक व्यवस्था की साख में सेंध लगने का सबूत माना जा रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद तैयार अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में भी तमाम खामियां और असमानताएं थीं मगर इनके बावजूद इसका एक अपना रसूख हुआ करता था।

यह व्यवस्था संयुक्त राष्ट्र जैसे सशक्त अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ-साथ उन मुद्दों से निपटने के लिए बहुपक्षीय प्रक्रियाओं में भागीदारी पर आधारित थी जिनके दुनिया के लिए दूरगामी परिणाम हो सकते थे।

17वीं शताब्दी से चरणों में विकसित अंतरराष्ट्रीय कानूनों को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता था। राष्ट्रों के बीच द्विपक्षीय संबंध प्राथमिक समीकरण बने रहे मगर उन्हें एक व्यवस्थित राजनीतिक वातावरण को ध्यान में रखकर आगे बढ़ाया जाता था। शक्ति को वैधता के साथ संतुलित करना आवश्यक था। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में होने वाली सौदेबाजी में ताकत स्वयं वैधता का स्रोत बन जाती है और फिर बेलगाम हो जाती है। इस नई सौदेबाजी वाली व्यवस्था में द्विपक्षीय लेनदेन को प्राथमिकता दी जाती है जहां प्रभाव प्रत्यक्ष होता है और परिणाम तत्काल दिखने लगते हैं।

पारस्परिकता पर जोर दिया जाता है और रियायतें सशर्त और अस्थायी होती हैं। बहुपक्षीय मंचों में परिणाम अव्यवस्थित हो सकते हैं, लाभ सामाजिक हो सकते हैं और दीर्घकालिक रूप से अधिक व्यापक हो सकते हैं।

भले ही बहुपक्षीय मंच बने रहें और राष्ट्र जलवायु परिवर्तन या साइबर सुरक्षा जैसे वैश्विक मुद्दों पर बातचीत करने के लिए एकत्रित होते रहें मगर परिस्थितियां अब भिन्न हैं। ये मंच अब सहयोगात्मक नतीजे हासिल करने वाले स्थान नहीं रह गए हैं। इसके बजाय वे भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्द्धा के मंच बन गए हैं। सौदेबाजी पर आधारित वैश्विक व्यवस्था की एक और विशेषता अंतर-राज्यीय संबंधों के संचालन में चपलता और रफ्तार पर दिया जाने वाला जोर है। किसी अंतरराष्ट्रीय घटना पर त्वरित प्रतिक्रिया, सोच-समझकर और सावधानीपूर्वक की गई प्रतिक्रिया से अधिक अहम मानी जा रही है।

इसका कारण यह है कि सोशल मीडिया ने राजनीतिक समयसीमा को संकुचित कर दिया है और व्यावसायिक निर्णयों की तरह ही भू-राजनीतिक दांवपेच में प्रतिस्पर्द्धियों को पछाड़ना आवश्यक हो गया है।

राष्ट्रों की विदेश नीति में सौदेबाजी का चलन अक्सर एक नेता के प्रभाव वाली विदेश नीति से जुड़ा होता है जिसकी प्राथमिकता घरेलू राजनीतिक शक्ति होती है। यद्यपि, घरेलू राजनीति हमेशा विदेश नीति को प्रभावित करेगी मगर इस सौदेबाजी के अंतर्गत विदेश नीति अक्सर घरेलू राजनीति का एक साधन बन जाती है। इस प्रकार, राष्ट्रीय हित से सरोकार रखे बिना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेता की एक असाधारण छवि बनाना विदेश नीति का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य बन सकता है। यह डॉनल्ड ट्रंप के अमेरिका में सबसे अधिक दिखाई दे रहा है मगर यह केवल वहीं तक सीमित नहीं है।

वैश्विक शासन के मूल में एक गहरा विरोधाभास निहित है। हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जब वैश्विक आयाम वाले अंतरराष्ट्रीय मुद्दों का महत्त्व काफी बढ़ गया है। हम जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौती का सामना कर रहे हैं। हम कोविड-19 महामारी के कारण हुई मानवीय क्षति का गवाह रहे हैं जो किसी एक राष्ट्र तक सिमट कर नहीं रही।

इसी प्रकार साइबर सुरक्षा भी एक वैश्विक चुनौती है और केवल अंतरराष्ट्रीय सहयोग ही आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) पर लगाम लगा सकता है। एआई हमारे जीवन को पूरी तरह से बदल सकती है। ये वास्तव में वैश्विक चुनौतियां हैं जिनका समाधान केवल वैश्विक, सहयोगात्मक उपायों से ही संभव है। ठीक ऐसे समय में जब इन उपायों को लागू करने के लिए सशक्त अंतरराष्ट्रीय संस्थानों और प्रभावी बहुपक्षीय प्रक्रियाओं की सबसे अधिक आवश्यकता है, दुनिया विपरीत दिशा में आगे बढ़ रही है। आखिर, इस विरोधाभास का कारण क्या है? क्या राजनेताओं और नीति निर्माताओं के बीच समझ की कमी है या कुछ गहरी संरचनात्मक शक्तियां काम कर रही हैं जो सामूहिक और समन्वित कार्रवाई की अनिवार्यता को तर्कसंगत स्तर पर स्वीकार करने से इनकार कर रही हैं?

कुण्डलिनी जागरण से प्रकट होता है श्री लक्ष्मी का राजराजेश्वरी स्वरूप

सहजयोग में कुण्डलिनी जागरण केवल आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति की घटना नहीं है, बल्कि यह मनुष्य के भीतर स्थित विभिन्न दिव्य गुणों के क्रमिक जागरण की प्रक्रिया है। जब आदिशक्ति स्वरूपिणी कुण्डलिनी मूलाधार से उठकर विभिन्न चक्रों को प्रकाशित करती है, तब साधक के भीतर आध्यात्मिक विकास के नए आयाम खुलते जाते हैं। इसी आध्यात्मिक यात्रा में नाभि चक्र का विशेष महत्व है, जहाँ आदिशक्ति का राजराजेश्वरी स्वरूप प्रकट होता है।

परम पूज्य श्री माताजी ने बताया कि राजराजेश्वरी, लक्ष्मी तत्व की सर्वोच्च अभिव्यक्ति है। जब जागृत कुण्डलिनी नाभि चक्र को पोषित करती है, तब साधक के भीतर केवल भौतिक समृद्धि की भावना नहीं आती, बल्कि संतोष, धर्म, उदारता और आंतरिक गरिमा का विकास होता है। यही कारण है कि नाभि चक्र को संतुलन और संतोष का केंद्र माना गया है।

कुण्डलिनी जागरण से पहले मनुष्य की इच्छाएँ प्रायः बाहरी वस्तुओं, उपलब्धियों और संग्रह के इर्द-गिर्द घूमती हैं। उसे लगता है कि अधिक धन, अधिक प्रतिष्ठा या अधिक अधिकार से सुख प्राप्त होगा। किंतु जब कुण्डलिनी जागृत होकर नाभि चक्र को प्रकाशित करती है, तब साधक अनुभव करता है कि वास्तविक समृद्धि भीतर से उत्पन्न होती है। उसका ध्यान संग्रह से हटकर संतोष की ओर और स्वार्थ से हटकर उदारता की ओर बढ़ने लगता है।

राजराजेश्वरी की अवस्था कुण्डलिनी के उस कार्य को दर्शाती है जिसमें वह साधक को मैं और मेरा की सीमाओं से ऊपर उठाकर दिव्य चेतना से जोड़ती है। इस अवस्था में व्यक्ति के भीतर सहज नम्रता आती है। वह स्वयं को किसी उपलब्धि का स्वामी नहीं मानता, बल्कि ईश्वरीय कृपा का पात्र समझता है। यही कारण है कि श्री माताजी ने कहा कि जो वास्तव में परिपूर्ण होता है, वह अत्यंत नम्र और सरल होता है।

कुण्डलिनी जागरण का एक महत्वपूर्ण संकेत यह भी है कि व्यक्ति के भीतर लालच कम होने लगता है। लालच नाभि चक्र के संतुलन को भंग करता है और मनुष्य को पुनः भौतिक आकर्षणों में बाँध देता है। इसलिए श्री माताजी का यह कथन अत्यंत गहन आध्यात्मिक सत्य को प्रकट करता है कि यदि लालच उत्पन्न हो जाए तो समझ लेना चाहिए कि राजराजेश्वरी का आशीर्वाद उस क्षण कमज़ोर पड़ रहा है। जागृत कुण्डलिनी सदैव संतोष, संतुलन और मर्यादा की ओर ले जाती है, जबकि लालच मनुष्य को असंतोष और असंतुलन की ओर खींचता है।

सहजयोग में जब साधक नियमित ध्यान करता है और उसकी कुण्डलिनी बार-बार नाभि चक्र को शुद्ध एवं सशक्त करती है, तब उसके भीतर राजराजेश्वरी के गुण प्रकट होने लगते हैं। वह जीवन की परिस्थितियों में संतुलित रहता है, भौतिक साधनों का उचित उपयोग करता है, दूसरों के प्रति उदार रहता है और किसी भी प्रकार के अहंकार या लालच से दूर रहने का प्रयास करता है। यही वास्तविक आध्यात्मिक समृद्धि है।

इस प्रकार राजराजेश्वरी कोई बाहरी देवी स्वरूप मात्र नहीं हैं, बल्कि कुण्डलिनी जागरण के माध्यम से साधक के भीतर प्रकट होने वाली वह दिव्य अवस्था हैं जहाँ संतोष, धर्म, नम्रता और आत्मिक वैभव का पूर्ण विकास होता है। जब नाभि चक्र में आदिशक्ति का यह स्वरूप प्रकाशित होता है, तब साधक समझ पाता है कि सच्चा धन बाहरी संग्रह में नहीं, बल्कि जागृत आत्मा की शांति, संतुलन और ईश्वरीय प्रेम में निहित है।

ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेसः मानव स्वतंत्रता की आखिरी परीक्षा का नाम

2030 तक मानव सभ्यता एक भयावह और आश्चर्यजनक मोड़ पर पहुंचने वाली है। वह दौर जब मस्तिष्क की अंतिम सीमाएँ भी टूट जाएँगी। ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस (बीसीआई) अब कोई दूर की कल्पना नहीं रहा। न्यूरालिंक के चिप्स मस्तिष्क में उतर चुके हैं, सिग्नल पढ़े जा रहे हैं और विचार सीधे क्रियाओं में बदल रहे हैं। एक पैरालाइज्ड व्यक्ति मात्र सोचकर कर्सर हिला रहा है, रोबोटिक हाथ चला रहा है। लेकिन यही तकनीक कल पूरे समाज की नींव हिला देगी। 1.4 अरब की आबादी वाला भारत, जहां हर व्यक्ति की सोच, आस्था और सपने अलग हैं, इस क्रांति से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाला है। विचारों की गोपनीयता का अंतिम किला भी ढहने के कगार पर है और हम अभी भी इस खतरे को गंभीरता से नहीं ले रहे।

बीसीआई चिकित्सा जगत में तो वरदान साबित हो रहा है। लॉक-इन सिंड्रोम, एएलएस (एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस) और गंभीर विकलांगता से जूझ रहे मरीजों को नई जिंदगी मिल रही है। अब केवल सोचकर बोलना, लिखना और चलना संभव हो गया है। लेकिन इसकी असली शक्ति संवर्धन में छिपी है। स्वस्थ व्यक्ति बेहतर स्मृति, असीमित एकाग्रता और सीधे मस्तिष्क से ज्ञान प्राप्त करने की क्षमता हासिल कर लेगा। कल्पना कीजिए–संपन्न वर्ग के बच्चे बीसीआई-सक्षम मस्तिष्क के साथ स्कूल जाएंगे, जबकि गरीब बच्चा पारंपरिक शिक्षा के साथ संघर्ष करेगा। भारत में जहां शिक्षा और रोजगार पहले से ही असमानता की मार झेल रहे हैं, यह तकनीक सामाजिक खाई को चिरस्थायी बना देगी। संवर्धित मस्तिष्क वाले लोग नई नौकरियों पर एकाधिकार कर लेंगे और बाकी पीढ़ियाँ पिछड़ती चली जाएगी। हालांकि शुरुआती दशकों में यह मुख्य रूप से चिकित्सकीय उपयोग तक सीमित रह सकता है।

सबसे खतरनाक हमला तो विचारों की निजता पर होगा। बीसीआई मस्तिष्क की विद्युतीय तरंगों को पढ़कर न केवल इरादे और भावनाएं, बल्कि छिपे हुए भय, इच्छाएँ और विरोध भी उजागर कर सकता है। 2030 तक काफी परिपक्व और व्यापक रूप से इस्तेमाल होने लगा होगा। नौकरी के इंटरव्यू में बॉस सीधे मस्तिष्क से आपके फोकस और ईमानदारी की जाँच कर सकेगा। बीमा कंपनियाँ छिपे रोगों का अनुमान लगा लेंगी। सरकार या राजनीतिक दल चुनावी सोच तक पहुंच जाएंगे। हैकिंग का खतरा और भयावह होगा–कोई आपका पूरा व्यक्तित्व चुरा सकता है। बाई-डायरेक्शनल बीसीआई केवल पढ़ता ही नहीं, मस्तिष्क में सिग्नल भी भेज सकता है। हालांकि बाई-डायरेक्शनल बीसीआई अभी मुख्यतः रीसर्च स्टेज में है, लेकिन यह भावी चुनौतियों का संकेत देता है।

नैतिकता और कानून की दुनिया में यह तकनीक बड़ा भूचाल ला रही है। जब मस्तिष्क 24 घंटे रिकॉर्ड हो रहा हो, तब सहमति का अर्थ क्या रह जाएगा? बच्चों, मानसिक रूप से कमजोर लोगों या कैदियों की सोच पर अधिकार किसका होगा? इसी कारण न्यूरो-राइट्स की मांग दुनिया भर में तेज हो रही है– विचारों का मौलिक अधिकार, मानसिक गोपनीयता का संरक्षण। चीन राज्य-नियंत्रित बीसीआई में तेजी से आगे बढ़ रहा है, जबकि पश्चिम अभी गोपनीयता पर बहस में उलझा है। भारत को अपनी परिस्थितियों के अनुसार रास्ता चुनना होगा। हमारा डेटा प्रोटेक्शन कानून अभी प्रारंभिक अवस्था में है। न्यूरल डेटा को अत्यंत संवेदनशील श्रेणी में रखकर सख्त कानून बनाना आवश्यक है, वरना विदेशी कंपनियाँ भारतीय मस्तिष्कों का खुला शोषण कर सकती हैं।

भारत वर्तमान में इस वैश्विक दौड़ में काफी पीछे है। कुछ आईआईटी और स्टार्टअप प्रयास कर रहे हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर कोई स्पष्ट नीति या बड़ा मिशन नहीं दिखता। जबकि अवसर अपार हैं। सस्ते नॉन-इनवेसिव बीसीआई से ग्रामीण शिक्षा में क्रांति लाई जा सकती है, विकलांगों को मुख्यधारा में लाया जा सकता है और मेडिकल टूरिज्म को नई गति मिल सकती है। लेकिन स्वदेशी तकनीक, मजबूत साइबर सुरक्षा और ठोस नैतिक ढांचे के बिना हम सिर्फ उपभोक्ता बनकर रह जाएंगे। हमारी सांस्कृतिक विविधता और लोकतांत्रिक मूल्य इस क्षेत्र में सबसे बड़ी ताकत बन सकते हैं, यदि हम उन्हें सही दिशा और स्पष्ट रणनीति दें।

इस तकनीक के साथ सुरक्षा और नैतिक चुनौतियाँ भी महत्वपूर्ण हैं। लंबे समय तक मस्तिष्क प्रत्यारोपण से संक्रमण और संकेत कमजोर होने की समस्या बनी रहती है, जिस पर शोध आवश्यक है। बाई-डायरेक्शनल बीसीआई अभी शोध चरण में है, पर भविष्य में मस्तिष्क नियंत्रण का जोखिम दिखाता है। इसी कारण न्यूरो-अधिकारों की मांग बढ़ रही है, जिसमें न्यूरल डेटा को संवेदनशील मानकर कानूनी सुरक्षा की बात की जा रही है। भारत में नॉन-इनवेसिव बीसीआई से ग्रामीण विद्यालयों में ध्यान निगरानी और व्यक्तिगत शिक्षण संभव हो सकता है, जिससे शिक्षा असमानता घट सकती है।

आखिरकार सवाल यह है कि हम बीसीआई को मानवता की सेवा में लगाएंगे या फिर इसे नई गुलामी का साधन बनने देंगे? 2030 का भारत यदि तैयार नहीं हुआ, तो हमारी आने वाली पीढ़ियाँ 'सोचने की स्वतंत्रता' पूरी तरह खो देंगी। संसद में तुरंत गंभीर, व्यापक और निर्णायक बहस हो, विशेषज्ञ समिति का गठन किया जाए, राष्ट्रीय बीसीआई मिशन की औपचारिक शुरुआत हो और देशव्यापी जनजागरण अभियान को युद्धस्तर पर चलाया जाए। हमें न सिर्फ तकनीक अपनानी है, बल्कि उसे भारतीय नैतिकता, सामाजिक समानता, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय संप्रभुता के सुदृढ़ व संतुलित ढाँचे में ढालना होगा, ताकि यह मानवता के हित में एक साधन बने, न कि नियंत्रण और शोषण का माध्यम।

मानव सभ्यता एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ हर निर्णय भविष्य की दिशा तय करेगा। समय अत्यंत सीमित है। आज हम जो नीतियां बनाएंगे, वही कल हमारे विचारों की रक्षा करेंगी। यदि हम सतर्क और सशक्त रहे, तो बीसीआई भारत को विश्वगुरु बनाने में सहायक बन सकता है, अन्यथा यह नई डिजिटल गुलामी का माध्यम बन जाएगा। इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा, यदि हमने अपनी अंतिम स्वतंत्रता–विचारों की स्वतंत्रता–ही खो दी। अब निर्णय की घड़ी आ चुकी है। या तो हम इस परिवर्तन को दिशा देंगे, या यह हमें अपने नियंत्रण में ले लेगा। जागो भारत, क्योंकि अब सोचने का अवसर भी हाथ से फिसलता जा रहा है।

-प्रो. आरके जैन

भारतवर्ष की गुरु-शिष्य सनातनी परंपरा

राष्ट्रीय चरित्र और राष्ट्रवाद शालाओं की बुनियादी शिक्षा कक्षाओं और गुरु और शिष्य परंपरा के साथ देश के प्रति समर्पण के भाव से प्रस्फुटित होता हैद्य राष्ट्रवाद राष्ट्र की रक्षा ,अखंडता एवं सशक्तिकरण नागरिकों के भाग्य को संरक्षित कर सुदृढ़ बनाता हैद्य स्वतंत्रता के बाद विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी के स्वप्न दृष्टा प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश के भावी भविष्य को पहचानते हुए बुनियादी कक्षाओं की राष्ट्रवाद के निर्माण में भूमिका को सहजता से पहचान लिया और अमेरिका की तर्ज पर भारत को तकनीकी तौर पर एक शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लिए अमेरिका के एमआईटी की तर्ज पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान स्थापित करवाया था ।जब खड़कपुर आईआईटी की स्थापना की गई थी तब उन्होंने अतिथि के रूप में अपने भाषण में कहा की भारत को वैज्ञानिक महाशक्ति बनाने का दायित्व इन्हीं आई,आई,टी की कक्षाओं शिक्षकों एवं छात्राओं का होगा, वे राष्ट्र को तकनीकी दिशा में मील का पत्थर बनाने में साबित होंगे। वर्तमान में भारत आज अंतरिक्ष की बड़ी शक्तियों की कतार में शामिल हैद्य इसके पीछे भारत के कई वैज्ञानिक सीवी रमन ,विक्रम साराभाई, सतीश धवन जैसे बड़े वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इसरो संस्थान है जिसकी कक्षाओं में मंगल तक भारतीय तिरंगे को लहराया. भाभा एटॉमिक परमाणु शक्ति बन गया हैद्य वैश्विक स्तर पर हर बड़े स्पेस रिसर्च सेंटर पर भारत की इंजीनियर और वैज्ञानिक अपनी सेवाएं दे रहे हैंद्य

आज अमेरिका आर्थिक महाशक्ति बनने के पीछे उसके विश्वविद्यालय ,संस्थाएं हैं। हावर्ड बिजनेस स्कूल विश्व स्तरीय व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में से एक माना जाता हैद्य आर्थिक सामाजिक तथा वैज्ञानिक शोध संस्थाओं में अधिकाधिक धनराशि खर्च करके अमेरिका, रूस, ब्रिटेन ,चीन, ऑस्ट्रेलिया ,कनाडा ने विश्व में सर्वश्रेष्ठ बुद्धिजीवी दिए हैंद्य यह तो तय है कि कोई भी देश का भाग्य तभी उन्नत तथा विकसित होगा जब वहां के छात्र शिक्षक एवं आमजन न्याय, समता ,प्रबुद्धता के प्रति अपनी अडिग प्रतिबद्धता रखें। आने वाली पीढ़ी यानी कि वर्तमान के बच्चे और भविष्य के नागरिक ही किसी देश का भविष्य निर्माण करते हैं और यह भी तय रहता है कि बुद्धिमान शिक्षक अपने छात्रों के माध्यम से किसी महान राष्ट्र की नींव रखते हैं।

किसी भी महान राष्ट्र का निर्माण रातों-रात नहीं होता है इसके लिए पीढीयो का योगदान और श्रेष्ठ शिक्षक एवं छात्रों की लग्न शीलता और मेहनत की प्रतिबद्धता होती है। 1960 और 70 के दशक में चीन में गठित सांस्कृतिक क्रांति कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, खेतों ,कारखानों को एकता में बांधकर सक्रिय नीति का प्रयोग कर सभी को एक सूत्र में बांधा गया था। जापान तो प्राथमिक कक्षाओं से उपजे राष्ट्रवाद, अनुशासन तथा कर्तव्य बोध के लिए सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रहा है, जापान में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पराजय का कड़वा घूंट पीने के पश्चात कमजोर एवं मृतप्राय जापान को एक शक्तिशाली आर्थिक राष्ट्र बना दिया।

-संजीव ठाकुर

मिलावट-मुक्त भारत से ही विकसित भारत संभव

हर वर्ष 7 जून को मनाया जाने वाला विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस केवल सुरक्षित भोजन की आवश्यकता का स्मरण कराने वाला दिवस नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण, आर्थिक समृद्धि और सतत विकास के लिए एक वैश्विक संकल्प का अवसर भी है। वर्ष 2026 की थीम ''खाद्य सुरक्षा÷ विज्ञान की सक्रिय भूमिका'' इस बात पर बल देती है कि विज्ञान, अनुसंधान, तकनीक और प्रभावी निगरानी प्रणालियों के माध्यम से ही सुरक्षित खाद्य व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन विडम्बना यह है कि भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में खाद्य पदार्थों, दवाइयों और दैनिक उपभोग की वस्तुओं में बढ़ती मिलावट इस लक्ष्य को गंभीर चुनौती दे रही है। मिलावट केवल खाद्य सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, यह राष्ट्र के स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, नैतिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ विषय है। जिस देश को विश्वगुरु और विकसित भारत बनने का सपना है, वहां यदि दूध, घी, मावा, मसाले, अनाज, मिठाइयां, फल-सब्जियां और यहां तक कि जीवनरक्षक दवाइयां भी मिलावट की शिकार हों, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है।

भारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है। पिछले वर्षों में विभिन्न राज्यों में नकली अथवा घटिया दवाओं के सेवन से अनेक लोगों की मृत्यु और गंभीर स्वास्थ्य संकट की घटनाएं सामने आईं। राजस्थान के कोटा सहित कई स्थानों पर ऐसी खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। जब जीवन बचाने वाली दवा ही मौत का कारण बनने लगे, तब यह केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

मिलावट का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। कैंसर, किडनी रोग, हृदय रोग, यकृत संबंधी विकार, हार्मोन असंतुलन, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में स्वास्थ्य समस्याएं तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी अनेक गंभीर समस्याओं का संबंध दूषित एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों से जुड़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षित भोजन के कारण हर वर्ष करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं। भारत में भी स्वास्थ्य पर पड़ने वाला यह बोझ लगातार बढ़ रहा है। किन्तु मिलावट का संकट केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रहार करता है। जब किसी देश के खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता संदिग्ध हो जाती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है। निर्यात घटता है, विदेशी निवेश प्रभावित होता है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश पिछड़ जाता है। भारत कृषि उत्पादों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का एक बड़ा केंद्र बन सकता है, लेकिन मिलावट की समस्या उसकी संभावनाओं पर ग्रहण लगा रही है।

इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि मिलावट सामाजिक मूल्यों के क्षरण का प्रतीक बनती जा रही है। कुछ लोग त्वरित लाभ और अधिक मुनाफे की लालसा में दूसरों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। यह केवल आर्थिक भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि नैतिक पतन का भी संकेत है। जब समाज में ईमानदारी और उत्तरदायित्व की भावना कमजोर पड़ती है, तब ऐसे अपराध फलने-फूलने लगते हैं। सरकारों ने समय-समय पर खाद्य सुरक्षा और मानक कानून बनाए हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) सहित अनेक संस्थाएं निगरानी और परीक्षण का कार्य करती हैं। फिर भी जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और कानूनी प्रक्रियाओं की धीमी गति मिलावट के विरुद्ध अभियान को प्रभावी नहीं बनने देती। अनेक मामलों में दोषियों को दंड मिलने में वर्षों लग जाते हैं, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं।

आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें कठोरता और पारदर्शिता के साथ लागू करने की है। खाद्य पदार्थों की नियमित जांच, आधुनिक प्रयोगशालाओं का विस्तार, डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली, त्वरित न्याय व्यवस्था और दोषियों के लिए कठोर दंड आवश्यक हैं। मिलावट को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के विरुद्ध गंभीर अपराध माना जाना चाहिए। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2026 की थीम विज्ञान की भूमिका पर जोर देती है। विज्ञान और तकनीक मिलावट के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार बन सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला, आधुनिक परीक्षण तकनीक, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब तथा उपभोक्ता जागरूकता एप्लिकेशन खाद्य सुरक्षा को नई दिशा दे सकते हैं। वैज्ञानिक निगरानी से उत्पादन से लेकर उपभोग तक हर चरण में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन केवल सरकार या विज्ञान ही इस समस्या का समाधान नहीं कर सकते। समाज और उपभोक्ताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जागरूक नागरिकों को संदिग्ध उत्पादों की शिकायत करनी चाहिए, प्रमाणित उत्पादों का उपयोग करना चाहिए तथा स्थानीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा के प्रति जनजागरण अभियान चलाने चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को भी इस विषय को सामाजिक आंदोलन का रूप देना होगा।

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर यदि हम वास्तव में एक विकसित, स्वस्थ और सम्मानित भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो मिलावट-मुक्त भारत÷ को राष्ट्रीय अभियान बनाना होगा।

जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से व्यापक परिवर्तन लाया, उसी प्रकार मिलावट के विरुद्ध भी राष्ट्रीय चेतना का निर्माण आवश्यक है। भारत की पहचान योग, आयुर्वेद, शुद्ध आहार, नैतिक जीवन-मूल्यों और ÷सर्वे भवन्तु सुखिनः÷ की संस्कृति से रही है। यह पहचान तभी सार्थक होगी जब हमारे भोजन, दवाइयों और उपभोग की वस्तुओं में शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। एक ऐसा भारत, जहां भोजन विश्वास का प्रतीक हो, जहां दवा जीवन का संरक्षण करे, जहां व्यापार नैतिकता पर आधारित हो और जहां उपभोक्ता निश्चिंत होकर बाजार से वस्तुएं खरीद सके-वही विकसित भारत का वास्तविक स्वरूप होगा।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस हमें यह संदेश देता है कि सुरक्षित भोजन केवल स्वास्थ्य का अधिकार नहीं, बल्कि मानव गरिमा और राष्ट्रीय विकास की आधारशिला है। यदि हम आज मिलावट के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष का संकल्प लें, तो आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भारत दे सकते हैं। ÷शुद्ध आहार, स्वस्थ परिवार, मिलावट-मुक्त भारत, विकसित भारत का आधार, यही 2047 के विकसित भारत की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम होगा और यही विश्व समुदाय के समक्ष भारत को एक आदर्श राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा।

-ललित गर्ग

परीक्षा विवादों के चक्रव्यूह में घिरे धर्मेंद्र प्रधान, मुश्किलों से नहीं छूट रहा पीछा

शिक्षा मंत्रालय अपने आप में किसी विशाल साम्राज्य से कम नहीं है। स्वायत्त कहलाने वाला केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) शिक्षा मंत्रालय की निगरानी में काम करता है। सीबीएसई के तहत 26 देशों में 25,000 से अधिक स्कूल और 40 लाख छात्र (कक्षा 10वीं और 12वीं) आते हैं। उच्च शिक्षा विभाग 57 केंद्रीय विश्वविद्यालयों, कुल 49,565 संबद्ध महाविद्यालयों, राज्यों के स्तर पर 537 निजी और 437 सार्वजनिक विश्वविद्यालयों का संचालन करता है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जैसे राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थानों सहित इन उच्च शिक्षण संस्थानों में वर्ष 2021-22 तक कुल लगभग 4 करोड़ छात्रों ने दाखिला लिया था। शिक्षा मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) इन संस्थानों के लिए कई परीक्षाएं आयोजित करती है। यह सब मंत्रालय की जिम्मेदारियों का महज एक छोटा सा हिस्सा है। इन सभी पर निगरानी रखने का दायित्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर है। ऐसा नहीं है कि पहले अन्य मंत्रियों और सरकारों के कार्यकाल में परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक नहीं हुए मगर महज दो महीनों के भीतर ही राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा (स्नातक) या नीट-यूजी के कई प्रश्न पत्र लीक हो गए हैं। कक्षा 12 के अंक पत्रों में अशुद्धियां पाई गई हैं। संभवतः डिजिटल मूल्यांकन व्यवस्था जल्दबाजी में अपनाने के कारण ऐसा हुआ होगा।

खैर, कारण जो भी मगर मूल्यांकन प्रणाली पर छात्रों का विश्वास पूरी तरह डगमगा गया है। पुनर्मूल्यांकन की मांग ने सीबीएसई को अराजकता की स्थिति में धकेल दिया है। स्थिति की गंभीरता इस बात से और भी बढ़ जाती है कि कुछ ही सप्ताह में कॉलेजों में दाखिला शुरू हो जाएगा। सरकार ने शीर्ष अधिकारियों को बर्खास्त कर इन घटनाक्रम को गंभीरता से लेने के संकेत दिए हैं। दूसरी तरफ विपक्षी दल कांग्रेस का कहना है कि 'मंत्री प्रधान' को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए।

क्या धर्मेंद्र प्रधान वाकई मुश्किल में हैं? या उनके मंत्रालयों में मुसीबतें लगातार उनका पीछा? करती रही हैं?

वह भारत के सबसे लंबे समय तक कार्यभार संभालने वाले पेट्रोलियम मंत्री रहे हैं। प्रधान ने स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्री के साथ शुरुआत की थी और फिर कैबिनेट मंत्री बनाए गए। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सरकार का कारोबार में कोई दखल नहीं होना चाहिए और उन्होंने भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड (बीपीसीएल) के निजीकरण की दिशा में पहल की। इसके तहत कंपनी में सरकार की अपनी 52.9 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना था।

वर्ष 2020 में उन्होंने पत्रकारों से कहा,'बीपीसीएल में निजी निवेशकों की काफी दिलचस्पी है।' मगर यह योजना कभी कारगर नहीं हो पाई। वर्ष 2022 में केवल एक ही बोलीदाता बचा जिसके बाद सरकार ने यह प्रक्रिया ही रद्द कर दी। प्रधान के बाद पेट्रोलियम मंत्री बने हरदीप पुरी ने किसी भी तेल कंपनी के निजीकरण से इनकार कर दिया है। जब एक सार्वजनिक मंच पर पुरी से निजीकरण के बारे में सवाल पूछा गया तो उन्होंने इसे 'बकवास' बताया।

नोटबंदी के ठीक बाद वर्ष 2017 से वर्ष 2019 के बीच प्रधान को कौशल विकास मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। यह वह दौर था जो रोजगार की उम्मीद रखने वालों के लिए बेहद मुश्किल गुजरा। इसके बाद कोविड महामारी आ गई।

इस महामारी ने हर तरफ कोहराम मचा दिया। मंत्रालय में कोई बड़ी उपलब्धि देखने को नहीं मिली। उन्हें वर्ष 2021 में शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। वर्तमान में शिक्षण कर्मचारियों की कमी देखते हुए स्कूल इस बात को लेकर परेशान हैं कि वे सीबीएसई के उस आदेश का पालन कैसे करें जिसमें बच्चों के लिए तीन भाषाएं (जिनमें दो भारतीय भाषाएं होनी चाहिए) पढ़ना अनिवार्य किया गया है। यह नीति (जो सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष समीक्षाधीन है) जुलाई में लागू होनी है।

हालांकि, राजनीति में प्रधान को कहीं अधिक सफलता मिली है। वह मध्य ओडिशा के तालचेर से हैं। उनके पिता देवेंद्र प्रधान राजनीति में सक्रिय थे और अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में मंत्री बने थे। धर्मेंद्र अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ता बने और पहले साल ही तालचेर कॉलेज के छात्र संघ अध्यक्ष बन गए। हालांकि, एक युवा भाजपा कार्यकर्ता के लिए ओडिशा में काम करना कठिन था।

वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी के बीजू पटनायक के साथ घनिष्ठ संबंधों के कारण भाजपा राज्य में सत्ताधारी दल पर हमला नहीं कर सकी। जो लोग भाजपा और बीजू जनता दल (बीजद) दोनों दलों के साथ संतुलन साध कर आगे बढ़े वे प्रधान जैसे जुझारू भाजपा नेता की तुलना में राजनीति में अधिक सफल रहे।

उदाहरण के लिए अश्विनी वैष्णव को ही लें जिन्होंने अधिकारी के रूप में अपना करियर शुरू किया और नवीन पटनायक के करीब होने के कारण वाजपेयी के साथ काम किया। उन्हें बाद में राज्य सभा सीट मिली और अब वह मोदी सरकार में एक महत्त्वपूर्ण मंत्री बन गए हैं। यह अलग बात है कि वह अब भी विपक्ष में मौजूद अपने पूर्व 'मार्गदर्शक' पर हमला करने से कतराते हैं।

इसके उलट प्रधान ने भाजपा के लिए लंबे समय तक अथक परिश्रम किया। उन्होंने ओडिशा में पार्टी को मजबूत बनाया और पार्टी को सरकार में लाने में मदद की। ओडिशा विधान सभा में भाजपा विधायक भारी तादाद में उनके समर्थक हैं मगर वह मुख्यमंत्री नहीं बनाए गए। प्रधान कोई करिश्माई नेता या प्रभावशाली वक्ता नहीं हैं।

मगर वास्तविक राजनीति और संगठनात्मक गतिशीलता की उनकी समझ उन्हें पार्टी का एक अहम व्यक्ति बनाती है। उन्होंने हरियाणा से पहले कर्नाटक, उत्तराखंड, झारखंड और निश्चित रूप से ओडिशा में भाजपा के लिए विधान सभा चुनावों का संचालन किया जहां उन्होंने भाजपा को शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। ओडिशा में ऐसा कोई प्रमुख पार्टी कार्यकर्ता नहीं है जिसे वह नाम से नहीं जानते हों, भले ही वे बागी ही क्यों न हों।

वह बागियों से संपर्क साधने में भी संकोच नहीं करते, उन लोगों से भी नहीं जिन्हें उन्होंने स्वयं पार्टी से बाहर कर दिया था। अपने मंत्रालयों में हुए तमाम विवादों के बाद प्रधान को शायद स्वयं को नए सिरे से स्थापित करने की जरूरत है। भाजपा का नेतृत्व अब नितिन नवीन के हाथों में है जो पार्टी में उनके कनिष्ठ रहे हैं। प्रधान के पास अब एक विकल्प केंद्र सरकार में ही समान महत्त्व का दूसरा ओहदा तलाशना है। मगर ऐसा करना उनके हाथ में नहीं है।

-धनंजय राजौरा

खेत बचाओ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आईटीसी मिशन सुनहरा कल परियोजना के अंतर्गत बाइफ, देवास द्वारा ग्राम जिरवाय में विश्व पर्यावरण दिवस एवं खेत बचाओ अभियान के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि, पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर किसानों को जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, देवास के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आर.पी. शर्मा, जनपद पंचायत टोंकखुर्द के अध्यक्ष पोप सिंह ठाकुर, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी भरत सोलंकी, भौरासा एग्रीकल्चर एफपीओ के विशाल लोधी, एनसीएचएसई के राहुल पटेल, पंचायत प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे। बाइफ की ओर से अर्जुन सिंह वेदी, सतीश खजूरिया, जितेंद्र सिंह, मुकेश बड़कनिया एवं सुनील चौहान ने सहभागिता की।

अपने संबोधन में डॉ. आर.पी. शर्मा ने विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व और खेत बचाओ अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता बताई। उन्होंने मृदा परीक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग, सोयाबीन फसल में पोषक तत्व प्रबंधन, जैविक खादों के उपयोग, जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों तथा आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों पर विस्तृत जानकारी दी। जनपद पंचायत अध्यक्ष ठाकुर ने आईटीसी मिशन सुनहरा कल परियोजना के प्रयासों की सराहना करते हुए पर्यावरण संरक्षण और कृषि पर जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों पर अपने विचार साझा किए।

इस अवसर पर बाइफ टीम द्वारा परियोजना के चार प्रमुख घटकों तथा क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों की जानकारी भी दी। कार्यक्रम का संचालन बाइफ के कृषि विशेषज्ञ रामाश्रय साहू द्वारा किया गया। अंत में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए शिव मंदिर परिसर के समीप पौधारोपण किया गया।

ग्राम पंचायत नेवरी में वाटर हार्वेस्टिंग के लिए हुई ग्राम सभा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नेवरी ग्राम पंचायत में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालिका अधिकारी श्रीमती ज्योति शर्मा के मार्गदर्शन में ग्राम सभा का आयोजन किया गया । ग्राम सभा में सभी को वर्षा के जल को सहजने के लिए अपने घरों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लिए समझाया गया की बताया गया कि 1000 स्क्वायर फीट के छत से लगभग पूरे वर्ष में एक लाख लीटर पानी संचित होता है। ग्रामवासियो रमेश बरेठा ,नरेंद्र गोस्वामी,लोकेश पाटीदार,ओम पाटीदार के घरों की कुंडियों का अवलोकन किया। सभी को कुंडियों को रिचार्ज करने के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लिए प्रेरित किया गया। वाटर हार्वेस्टिंग के जल से जल स्तर तो बढ़ता ही है साथ में पानी की हार्डनेस कम होती है । सभी को समझाया गया कि किस प्रकार पानी का दुरुपयोग नहीं करना है। इस अवसर पर सभी को पूरे ग्राम पंचायत में जल संरक्षण एवं स्वच्छता के लिए शपथ दिलाई गई और ग्राम पंचायत भवन में पौधा रोपण किया गया। इस अवसर पर अमृत संचय टीम के वरिष्ठ सदस्य श्री गंगा सिंह सोलंकी, जिला समन्वयक श्री सुनील सुमन,श्री महेश सोनी, संजय उण्डासे , पंचायत सचिव , ग्राम पंचायत के सभी सदस्य आंगनवाड़ी एवं स्व सहायता समूह के सदस्य उपस्थित थे।

नगरपालिका पानखेडी (कालापीपल) द्वारा आवास निर्माण का कार्य प्रारंभ कराया

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरपालिका पानखेडी (कालापीपल) द्वारा आज श्रीमती रेखा बाई पति बद्रीलाल लोहपिटा निवासी वार्ड क्रं. 05 के लोहपिटा मोहल्ला में शासन द्वारा स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास शहरी 2.0 घटक अंतर्गत 01 लाख रूपये की प्रथम किश्त न.प. द्वारा जारी कर कच्चे मकान को तोड़कर पक्का भवन निर्माण के लिए प्रदाय की गई थी। श्रीमती रेखा बाई द्वारा अपने कच्चे मकान को तोड़कर पक्का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाना था। परंतु स्थानीय मोहल्ला वासियों द्वारा हितग्राही को उक्त कार्य नही किये जाने तथा लड़ाई झगड़े करने पर अमादा हो रहे थे। जिसकी शिकायत हितग्राही के द्वारा कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना को की गई थी।

कलेक्टर सुश्री बाफना के निर्देश के पालन में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शुजालपुर द्वारा स्थल मौका मुआयना कर आवास निर्माण का कार्य करने के लिए तहसीलदार कालापीपल एवं नगर परिषद पानखेडी (कालापीपल) मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया गया था।

निर्देश के पालन में आज श्रीमती रेखा बाई के आवास स्थल पर तहसीलदार श्री संदीप श्रीवास्तव एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री बद्रीलाल पुरबिया के द्वारा अपनी टीम के साथ मौके पर उपस्थित होकर जे.सी.बी. से आवास निर्माण के गड्ढे खुदाई कर निर्माण कार्य प्रारंभ कराया गया। उक्त कार्य में पुलिस थाना कालापीपल से सहायक उपनिरीक्षक श्री भगत एवं न.प. की टीम उपस्थित थी।

अमलतास अस्पताल द्वारा सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए देवास पुलिस को दिया जा रहा जीवन रक्षक 'CPR' प्रशिक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 के दौरान देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शासन और पुलिस प्रशासन ने अभी से कमर कस ली है। इसी कड़ी में, सिंहस्थ की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन के सहयोग से अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल द्वारा देवास पुलिस लाइन में एक विशेष जीवन रक्षक सीपीआर (CPR - कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

सिंहस्थ 2028 के सफल और सुरक्षित आयोजन को ध्यान में रखते हुए अब प्रत्येक शनिवार को इस विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान के तहत जिले के शत-प्रतिशत पुलिस बल और होमगार्ड बल को आकस्मिक चिकित्सकीय व्यवस्थाओं से संबंधित बारीकियों का कड़ा प्रशिक्षण दिया जाना तय किया गया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अमलतास अस्पताल के आपातकालीन विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा पुलिस अधिकारियों को सीपीआर देने की सही तकनीक सिखाई जा रही है। जिसमे पुलिसकर्मियों को डमी (पुतलों) के माध्यम से चेस्ट कंप्रेशन और कृत्रिम सांस देने का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया जा रहा है। एवं कि अचानक हृदय गति रुकने (हार्ट अटैक/कार्डिएक अरेस्ट) या सांस लेने में तकलीफ होने जैसी गंभीर आपातकालीन स्थितियों में बिना समय गंवाए तुरंत कैसे प्रतिक्रिया देनी है।

प्रशिक्षण में पुलिस अधीक्षक देवास श्री पुनीत गेहलोद जी, एडिशन एस.पी जयवीर सिंह भदौरिया जी, सीएसपी श्री सुमित अग्रवाल जी, आर.आई श्री रणजीत ठाकुर जी उपस्थित थे।

अमलतास अस्पताल के चेयरमैन श्री मयंक राज सिंह भदौरिया जी द्वारा बताया गया की सिंहस्थ महापर्व के दौरान भारी भीड़ के कारण कई बार एंबुलेंस या विशेषज्ञ डॉक्टरों को मौके पर पहुँचने में समय लग सकता है। ऐसी स्वर्णिम घड़ियों में घटनास्थल पर मौजूद प्रशिक्षित पुलिस और होमगार्ड के जवान सीपीआर के माध्यम से मरीज को नया जीवन दे सकते हैं। यही इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है।

एसडीएम टोंकखुर्द और दल ने अवैध चिकित्सा गतिविधियों पर कार्रवाई कर क्लीनिक संचालक पर एफआईआर दर्ज करवाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास कलेक्टर ऋजुराज सिंह के निर्देशानुसार जिले में अवैध चिकित्सा गतिविधियों के विरुद्ध सतत एवं प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी टोंकखुर्द सुश्री रितु चौरसिया, तहसीलदार श्री गौरव निरंकारी एवं खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. माया कल्याणी की संयुक्त टीम द्वारा नगर टोंकखुर्द स्थित कृष्णा मेडिकल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि क्लीनिक संचालक संजय कुमार जायसवाल (बीएचएमएस) द्वारा एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति का अवैध रूप से संचालन किया जा रहा था। जांच के दौरान क्लीनिक से एलोपैथिक दवाइयां, जिनमें डेक्सामेथासोन एवं सेफपोडॉक्सिम सहित अन्य हाई डोज स्टोरॉइड बरामद कर जब्त की गई। इसके अतिरिक्त, एक ही पंजीयन क्रमांक पर दो संदिग्ध प्रमाणपत्र भी प्राप्त हुए, जिनकी वैधता प्रथम दृष्टया संदेहास्पद पाई गई। जिस पर अनुविभागीय अधिकारी टोंकखुर्द द्वारा कार्रवाई कर पुलिस थाना टोंकखुर्द में आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1987 की धारा 24 तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 318 (4) के अंतर्गत आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया गया।

महाराणा प्रताप जयंती की शौर्य यात्रा को लेकर 8 जून को होगी महत्वपूर्ण बैठक

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजपूत शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाली शौर्य यात्रा की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया जा रहा है। राजपूत समाज अध्यक्ष तंवर सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 17 जून को देवास में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती हर्षोल्लास एवं गौरव के साथ मनाई जाएगी। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं तैयारियों पर चर्चा के लिए 8 जून, सोमवार को शाम 5 बजे राजपूत परिसर, मक्सी रोड, देवास में सर्व समाज एवं राजपूत सरदारों की आवश्यक बैठक आयोजित की गई है। श्री चौहान ने सर्व समाजजनों, युवाओं एवं समाज के वरिष्ठजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाने तथा महाराणा प्रताप जयंती पर निकलने वाली शौर्य यात्रा के आयोजन में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जिला न्यायालय परिसर एवं आरससेटी संस्थान में हुआ व्यापक वृक्षारोपण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शाजापुर द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता को बढावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर अध्यक्ष श्री आनंद कुमार तिवारी के निर्देशन तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती नमिता बौरासी के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

इस अवसर पर स्वरोजगार ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थान , शाजापुर में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित कर प्रशिक्षणार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराया गया।

सचिव श्रीमती नमिता बौरासी ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन, स्वास्थ्य एवं आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला भी हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कम से कम एक पौधा लगाने तथा उसके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ, हरित एवं संतुलित पर्यावरण का निर्माण प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है। यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण सुनिश्चित करे तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

कार्यक्रम के अंतर्गत स्वरोजगार ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थान , शाजापुर, वन विभाग, चाइल्ड लाइन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं की संयुक्त सहभागिता से फलदार एवं छायादार पौधों का वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु संतुलन बनाए रखने के संबंध में उपस्थित जनसमुदाय को जागरूक भी किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस के इस विशेष अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए 15 से अधिक पौधों का रोपण किया तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन का भी संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में हरित पर्यावरण, स्वच्छ वातावरण एवं सतत विकास का संदेश प्रभावी रूप से प्रसारित किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती नमिता बौरासी, स्वरोजगार ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थान शाजापुर के निदेशक श्री सत्यवीर सिंह चौहान, आरसेटी डायरेक्टर श्री सत्यवीर सिंह चौहान, एवं आरसेटी स्टाफ जितेंद्र कुमार विश्वकर्मा, राजेश परमार आदी।

ग्राम उगली में कृषक प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए गत दिवस ग्राम उगली में कृषि विज्ञान केंद्र शाजापुर एवं कृषि विभाग शाजापुर द्वारा एक दिवसीय खरीफ फसलों की उन्नत तैयारी एवं प्रबंधन पर कृषक प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम किसान संघ के जिलाध्यक्ष श्री सवाई सिंह सिसोदिया के मुख्य आतिथ्य एवं पूर्व प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ.जी.आर.अम्बावतिया के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्र प्रमुख, डॉ.एस.एस.धाकड़ ने की।

कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. मुकेश सिंह एवं डॉ डी.के.तिवारी व श्री देवेन्द्र परमार वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, श्री चंदरसिंह सिसोदिया जिलामंत्री किसान संघ, शाजापुर, श्री राजेन्द्र मेवाड़ा, किसान संघ तहसली अध्यक्ष, शाजापुर के साथ प्रगतिशील किसान-श्री खामसिंह, श्री नरेन्द्र पाटीदार, श्री कमल पाटीदार, श्री सुरेश पाटीदार, श्री अक्शराव ठोगरे एवं 50 किसान भाई उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में वैज्ञानिकों ने उपस्थित किसानों को कम लागत में सोयाबीन की उत्पादकता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण तकनीकी सलाह दी।

किसान संघ के जिलाध्यक्ष श्री सवाई सिंह सिसोदिया ने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों का खेत पर प्रयोग करने को कहा, जिससे कि कृषि उत्पादन बढ़ सके एवं कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने की सलाह दी।

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस.एस. धाकड़ द्वारा आधुनिक कृषि तकनीक, सोयाबीन की फसल में जल निकास प्रबंधन एवं भू-जल संवर्धन, संरक्षित खेती, उन्नत कृषि यंत्रों, अवशेष प्रबंधन की जानकारी प्रदान की। साथ ही किसानों को सलाह दी कि मॉनसून के आगमन से पहले किसानों को अपने खेतों की तैयारी पूरी कर लेनी चाहिए। बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन को देखते हुए केवल प्रमाणित व उन्नत किस्मों के बीजों का ही चयन करें और बिना मिट्टी परीक्षण के खेतों में अंधाधुंध खाद का उपयोग न करें। साथ ही जल प्रबंधन और बुवाई की आधुनिक विधियों की जानकारी दी। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वे पारंपरिक विधि के बजाय रेज्ड बेड या ब्रॉड बेड फरो पद्धति से बुवाई करें, जिससे अत्यधिक बारिश की स्थिति में जलभराव से फसल को नुकसान न हो और सूखा पड़ने पर भी नमी बनी रहे।

बारिश, पीछा और खेतों में दौड़... नीमच में 331 किलो से ज्यादा डोडाचूरा जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

CBN की दो बड़ी कार्रवाइयों से तस्करों में हड़कंप, कार और ट्रैक्टर-ट्रॉली से करोड़ों का डोडाचूरा बरामद

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ दो बड़ी कार्रवाइयों को अंजाम देते हुए 331.510 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया है। अलग-अलग मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

पहली कार्रवाई में सीबीएन नीमच को सूचना मिली थी कि एक सिल्वर रंग की आई-20 कार में डोडाचूरा की बड़ी खेप ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही ग्राम जालीनेर क्षेत्र में घेराबंदी की गई। जैसे ही संदिग्ध वाहन को रोकने का प्रयास किया गया, चालक ने सीबीएन टीम के वाहन को टक्कर मारते हुए भागने की कोशिश की। तेज बारिश और अंधेरे के बीच शुरू हुआ पीछा कई किलोमीटर तक चला। भागने के प्रयास में कार नहर में जा फंसी, जिसके बाद तस्कर खेतों की ओर भाग निकला। सीबीएन अधिकारियों ने कीचड़ और बारिश के बीच पीछा कर उसे दबोच लिया। कार की तलाशी लेने पर 11 प्लास्टिक बैगों से 186.680 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद हुआ। आरोपी को गिरफ्तार कर वाहन और मादक पदार्थ जब्त कर लिया गया।

वहीं दूसरी कार्रवाई में सीबीएन की पी एंड आई सेल मंदसौर ने साम्या बालाजी मंदिर चौराहे के पास नलवा-कुंडला रोड पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोका। तलाशी के दौरान ट्रॉली में छिपाकर रखे गए 8 कट्टों से 144.830 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद किया गया। इस मामले में भी एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है तथा ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर ली गई है।

महिला सुरक्षा पर बुरहानपुर पुलिस की जीरो टॉलरेंस कार्रवाई - नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

थाना खकनार पुलिस की त्वरित कार्रवाई, पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीमान पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर श्री आशुतोष बागरी के निर्देशन में महिला संबंधी अपराधों में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत थाना खकनार पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए गंभीर प्रकरण के आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

प्रकरण का विवरण:- दिनांक 12/05/2026 को पीड़िता द्वारा थाना खकनार में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि आरोपी विकास पिता शेखलाल जावरकर, जाति कोरकू, उम्र 21 साल, निवासी ग्राम कालेर द्वारा उसे बहला-फुसलाकर शादी का झांसा देकर जंगल स्थित टपरी में ले जाकर जबरन दुष्कर्म किया गया।

पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना खकनार में अपराध क्रमांक 189/26 धारा 137(2), 65(1), 64(2)(m), 74, 75(1)(m), 351(3) भारतीय न्याय संहिता 2023 एवं धारा 5(l)/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 (पॉक्सो एक्ट) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस कार्रवाई:- थाना प्रभारी खकनार निरीक्षक अभिषेक जाधव के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी विकास जावरकर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक का संदेश:- महिला एवं बालिकाओं से संबंधित अपराधों में बुरहानपुर पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति है। ऐसे प्रकरणों में त्वरित सुदृढ़ वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन एवं 24 घंटे के अंदर आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जा रही है। पीड़िताओं को न्याय दिलाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

- श्री आशुतोष बागरी, पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर

सराहनीय भूमिका:- निरीक्षक अभिषेक जाधव थाना प्रभारी खकनार, si किरण ठाकुर, si शंकर लोने।

बकरे की कुर्बानी देने जा रहे युवक आतंकी इनपुट की अफवाह के चलते आर्म्स एक्ट में पकड़ाए

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जरा सोचिए, पुलिस को खुफिया इनपुट मिले कि आगामी त्योहार से पहले शांति भंग करने और किसी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने की नीयत से कुछ संदिग्ध हथियारों के साथ जिले की सीमा में घुस रहे हैं! जाहिर है, पुलिस के कान खड़े हो जाएंगे। लेकिन उसके बाद जो हुआ पुलिस भी सर पकड़ कर बैठ गई। ऐसा ही कुछ हाई-वोल्टेज ड्रामा बीते दिनों नीमच जिले के रामपुरा क्षेत्र में देखने को मिला।

एक मुखबिर की सनसनीखेज सूचना पर पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आनन-फानन में एक यात्री बस को रुकवाया और उसमें से चार संदिग्ध युवकों को छुरे चाकु सहित नीचे उतार लिया। बस में बैठे सहमे यात्रियों के बीच देखते ही देखते देखते हड़कंप मच गया।

जब राजनीति और धर्म के बीच फंसी बकरे की कहानी- बताया जा रहा है कि जैसे ही खबर फैली कि संदिग्ध युवक पकड़े गए हैं, मौके पर कुछ हिंदु संगठन कार्यकर्ता भी जमा हो गए। उन्होंने इसे सुरक्षा में गंभीर चूक बताते हुए आरोपियों पर देशद्रोह और कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग शुरू कर दी।

दूसरी तरफ, जब पुलिस ने पकड़े गए युवकों से सख्ती से पूछताछ की, तो उन्होंने जो कहानी सुनाई उसे सुनकर पुलिस भी अपना सिर पकड़कर बैठ गई। युवकों ने बताया, ÷हुजूर! हम तो कोई आतंकी नहीं हैं। हम हर साल की तरह ईद के मौके पर कुर्बानी कि दिहाड़ी करने के उद्देश्य से नीमच से रामगंज मंडी जा रहे थे।

इसी बीच मामले में राजनीतिक एंट्री भी हो गई। पकड़े गए युवक कांग्रेस पृष्ठभूमि से जुड़े थे, तो स्थानीय कांग्रेसी नेता भी थाने पहुंच गए। उन्होंने पुलिस को सफाई दी कि ये सभी नीमच के ही रहने वाले और परिचित लोग हैं। इनका मकसद कोई अशांति फैलाना या वारदात करना नहीं था, ये महज कुर्बानी से दिहाड़ी की तलाश में निकले थे।

न सांप मरा न लाठी टूटी- पुलिस ने निकाला

यह अनोखा रास्ता- अब पुलिस के सामने अजीब धर्मसंकट था। एक तरफ हिंदू संगठन अड़े थे कि बिना कार्रवाई के इन्हें नहीं छोड़ सकते, तो दूसरी तरफ कांग्रेस का दबाव और हकीकत में बकरे का सीधा-साधा मामला था। ऐसे में पुलिस ने न सांप मरे न लाठी टूटे की तर्ज पर एक बीच का रास्ता निकाला।

पुलिस ने बस से उतारने और आतंकी इनपुट वाली पूरी कहानी को किनारे रखकर, कागजों पर दो अलग-अलग रोचक एफआईआर तैयार कीं, जिसमें आरोपियों को सड़क पर सरेआम छुर्रा लहराते हुए गिरफ्तार दिखाया गया 7

पहली एफआईआर- नायरा पेट्रोल पंप के पास ताहिर का छुर्रा प्रदर्शन-

थाने के प्रधान आरक्षक ने कागजों पर कार्रवाई करते हुए लिखा कि वे कस्बा भ्रमण करते हुए जब दशहरा मैदान पहुंचे, तो मुखबिर ने बताया कि नायरा पेट्रोल पंप के पास रामपुरा-नीमच रोड पर सफेद-खाकी टी-शर्ट और काला लोवर पहने एक युवक हाथ में धारदार छुर्रा लहराकर लोगों को डरा रहा है। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा, तो उसने अपना नाम ताहिर अब्बासी (निवासी शौकतअली गंज, नया बाजार, नीमच) बताया। उसके पास से 11.05 इंच लंबा और 200 रुपये कीमत का लोहे का धारदार छुर्रा जब्त कर धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

दूसरी एफआईआर- आनंदीपुरा पुलिया पर सकलेन की कमर से निकला हथियार-

ठीक इसी तरह, एक और कहानी बनी जिसमें नाका नंबर 02 के पास पुलिस को सूचना मिली कि आनंदीपुरा रोड पुलिया के पास एक युवक धारीदार टी-शर्ट और जीन्स पहने हाथ में छुर्रा घुमा रहा है और पुलिस को देखकर उसने हथियार कमर में छुपा लिया। पुलिस ने उसे दबोचा तो उसकी पहचान मोहम्मद सकलेन (निवासी आसफगंज बड़ी मंडी, नीमच) के रूप में हुई। उसकी कमर से 12.05 इंच लंबा छुर्रा बरामद किया गया और उस पर भी आर्म्स एक्ट ठोक दिया गया।

नोटिस थमाया और कहा- अब आप घर जा सकते हैं-

चूंकि पुलिस ने इस पूरे बखेड़े को शांत करने के लिए धारा 25 आर्म्स एक्ट (हथियार अधिनियम) का इस्तेमाल किया, जिसमें 07 वर्ष से कम की सजा का प्रावधान है और यह एक जमानतीय अपराध है। इसलिए पुलिस ने कानून के नए नियमों (बीएनएस की धारा 35-3) का पालन करते हुए मौके पर ही पूरी कार्रवाई की वीडियो रिकॉर्डिंग की, दोनों आरोपियों को थाने से ही जमानत का नोटिस थमाया और ससम्मान रुखसत कर दिया।

इस तरह आतंकी साजिश के बड़े शोर से शुरू हुआ यह मामला, दो धारदार छुर्रों की जब्ती और कागजी एफआईआर के साथ बेहद शांतिपूर्ण और रोचक ढंग से निपट गया।

हालांकि इस मामले में रामपुरा थाना प्रभारी विपिन मसीह ने एफआईआर की तो पुष्टि की लेकिन घटना का इनपुट और कार्रवाई और नामों का ज़िक्र न करते हुए प्रेस नोट भेजने की बात कहीं। घटना को लंबा समय बीत जाने के बाद भी आज तक खुलासा नहीं किया गया। विश्वनीय सूत्रों के हवाले से आप तक यह खबर पहुंचा रहे है।

अवैध देशी शराब की तस्करी के विरुद्ध की बड़ी कार्यवाही

थाना महेश्वर पुलिस ने की 14 पेटी अवैध शराब जप्त

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन इंदौर (ग्रामीण) श्री अनुराग एवं पुलिस उप महानिरीक्षक निमाड रेंज खरगोन श्री सिद्धार्थ बहुगुणा द्वारा अवैध शराब निर्माण, बिक्री एवं परिवहन पर अंकुश लगाने हेतु निर्देशित किया गया था । उक्त निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री रविन्द्र वर्मा के निर्देशन व अति. पुलिस अधीक्षक खरगोन (ग्रामीण) श्रीमति शकुन्तला रुहल के मार्गदर्शन में समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व समस्त थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी तारतम्य में थाना महेश्वर पर पुलिस टीम ने मारुति स्विफ्ट कार से कुल 14 पेटी/126 लीटर अवैध देशी-मसाला एवं प्लेन शराब की तस्करी के विरुद्ध की बड़ी कार्यवाही करने में सफलता हासिल की है।

घटना का संक्षिप्त विवरणः दिनांक 05.06.26 को थाना महेश्वर पर मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, 01 ग्रे रंग की मारुति स्विफ्ट कार क्रमांक MP09ZV3646 से भारी मात्रा में अवैध शराब का परिवहन किया जाना है जो थोड़ी देर के बाद मोयदा तरफ से महेश्वर तरफ आ रही है। प्राप्त मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी महेश्वर निरीक्षक श्री जगदीश गोयल के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया एवं पुलिस टीम को मुखबिर की सूचना से अवगत करवा कर तत्काल वैधानिक कार्यवाही करने हेतु रवाना किया गया। पुलिस टीम के द्वारा ग्राम मातपुर के पास नाकाबंदी की गई एवं रोड से गुजरने वाले वाहनों पर नजर रखी गई। थोड़ी देर के बाद मुखबिर के बताए हुलिये अनुसार ग्रे रंग की मारुति स्विफ्ट कार मोयदा तरफ से आती दिखाई दी। पुलिस टीम की नाकाबंदी देख कर उक्त कार चालक ने भाग निकलने का प्रयास किया परंतु मौके पर पुलिस टीम के व्दारा मारुति स्विफ्ट कार क्रमांक MP09ZV3646 को घेराबंदी कर पकड लिया गया। पुलिस टीम के द्वारा चालक एवं चालक की साईड की सीट के पास बैठे व्यक्ति से नाम पता पुछते क्रमश अपना नाम जितेन्द्र पिता मुन्नालाल निवासी नवलपुरा मण्डलेश्वर एवं दीपक पिता महेन्द्र सिह निवासी गंगाझिरा मण्डलेश्वर का होना बताया गया। पुलिस व्दारा कार को चेक करने पर उसमें अवैध शराब की पेटियाँ रखी होना पाई गई। पुलिस टीम के द्वारा आरोपियो से शराब को रखने, लाने, ले जाने के संबध में पुछने पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नही किये जाने पर मौके पर अवैध शराब के परिवहन मे प्रयुक्त मारुति स्विफ्ट कार क्रमांक MP09ZV3646 कीमती लगभग 6,00,000/- रुपये व उसमे मिली 14 पेटी (126 लीटर) अवैध देशी-प्लेन एवं मसाला शराब कीमत लगभग 52,500/-रुपये को नियमानुसार विधिवत जप्त किया गया। आरोपी जितेन्द्र एवं दीपक के विरुद्ध थाना महेश्वर पर अपराध क्रमांक 177/26 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। विवेचना के दौरान एक अन्य आरोपी संजय पिता कन्हैया निवासी पांडया झारखंड की अपराध में संलिप्ता पाये जाने से आरोपी बानाया गया है । तीनो आरोपीयो को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

जप्तशुदा मशरुका- 1.10 पेटी देशी मदिरा प्लेन शराब , 04 पेटी देशी मसाला शराब कुल शराब 14 पेटी/126 लीटर किमती 52,500/- रुपये , 2.परिवहन में प्रयुक्त मारुति स्विफ्ट कार कीमती लगभग 06 लाख रुपये।

पुलिस टीम- उक्त कार्यवाही एसडीओपी मंडलेश्वर श्रीमति श्वेता शुक्ला के मार्गदर्शन व थाना प्रभारी महेश्वर निरीक्षक श्री जगदीश गोयल के नेतृत्व में उनि सुनील जामले, सउनि कमल चौहान, आर अमर मानवे, आर नीरज राठौर, साइबर सेल खरगोन से सचिन चौधरी का विशेष योगदान रहा।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन, 120 खिलाड़ियों ने प्रशिक्षण लिया

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा शिविर का आयोजन किया गया। जहां शनिवार उत्सव पूर्ण वातावरण में शिविर समापन किया गया। जों कि विगत एक माह का शिविर लगाया गया था। जिसमें बालक बालिकाओं को खो-खो हैंडबॉल कबड्डी आदि खेलों का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें खेल कुशल के साथ यातायात के नियमो के बारे में बताया गया। शिविर में 120 बच्चों का रजिस्ट्रेशन कराया गया और प्रशिक्षण दिया गया विकासखंड समन्वयक अरुणा खोडे ने बताया कि विभाग द्वारा विकास खंड में तीन स्थानो पर खेल प्रशिक्षण शिविर आयोजित हो रहे हैं। एकीकृत कन्या स्कूल गोगावा मैदान पर हैंडबॉल अनुश्री पटेल मैडम द्वारा सिखाया जा रहा है वहीं खो-खो अरुणा खोड़े मैडम तथा मोहम्मदपुर शासकीय हाई स्कूल में कबड्डी का प्रशिक्षण अशफाक खान सर के द्वारा दिया जा जा रहा है। प्रशिक्षण परिसर में खिलाड़ियों का परिचय लेते हुए महबूब खान सर एवं शेख सर और अस्पाक खान सर द्वारा खिलाड़ियों को खेलों की जानकारी दी गई एवं खेल भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया।

सीएमओ दुर्गा बामनिया ने किया नालों का निरीक्षण ! प्राइवेट बस स्टैंड पर नाला सफाई कार्य का लिया जायजा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुवार-शुक्रवार की रात एवं शुक्रवार सुबह हुई बारिश के बाद नगर पालिका परिषद नीमच की मुख्य नगर पालिका अधिकारी दुर्गा बामनिया ने शहर के विभिन्न नालों एवं जलभराव संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्राइवेट बस स्टैंड पर चल रहे नाला सफाई अभियान का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सीएमओ दुर्गा बामनिया ने ग्वालटोली स्थित स्पेंटा पेट्रोल पंप के पास नाला, निरोग धाम के समीप नाला, बारादरी क्षेत्र का नाला तथा प्राइवेट बस स्टैंड स्थित नाले का निरीक्षण किया। स्पेंटा पेट्रोल पंप के पास नाले में गाद और अवरोध पाए जाने पर उन्होंने मौके पर ही जेसीबी मशीन बुलवाकर सफाई कार्य शुरू करवाया।

प्राइवेट बस स्टैंड क्षेत्र में चल रहे नाला सफाई कार्य का अवलोकन करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सफाई कार्य में गति लाने तथा बारिश से पूर्व जलभराव वाले क्षेत्रों में पानी निकासी के पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सीएमओ ने नागरिकों से अपील की कि नालों की सफाई का कार्य प्रारंभ हो चुका है, इसलिए नालों पर किए गए अतिक्रमण स्वेच्छा से हटा लें। उन्होंने चेतावनी दी कि बारिश के दौरान जल निकासी में बाधा बनने वाले अतिक्रमणों को जेसीबी की सहायता से हटाया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित अतिक्रमणकर्ताओं की होगी। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण शाखा के अब्दुल नईम, स्वास्थ्य अधिकारी दिनेश टांक, स्वच्छता निरीक्षक भारत सिंह भारद्वाज, अविनाश घेघट, गोपाल नरवाले, गैंग प्रभारी दीपक गौहर, आकाश सोदे सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

सरकार किसान हितैषी कार्य कर रही है, खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए प्रतिबद्ध - रविन्द्र पाटीदार

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष रविन्द्र पाटीदार एवं अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष राकेश चौहान का रवि चौधरी के जन्मदिन के अवसर पर बिड़वाल में भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष संतोष ढोलकिया सहित क्षेत्र के वरिष्ठ नेता, उन्नत कृषक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के पूर्व श्रद्धापूर्वक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का श्रीराम एवं विश्वमंगल जी के चित्र भेंट कर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष रविन्द्र पाटीदार ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से खेती को लाभ का धंधा बनाने, उत्पादन लागत कम करने तथा किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष राकेश चौहान ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी एवं अंत्योदय योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा तथा दलित वर्ग को योजनाओं से अधिक से अधिक जोड़ा जाएगा।

कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने सामाजिक समरसता, संगठन की मजबूती एवं राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प व्यक्त करते हुए रवि चौधरी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर हितेंद्र सिंह राजपुरोहित, ईश्वर कटारा, अमृत पाटीदार, अनामिका ठाकुर, जितेंद्र जाट, परमानंद, प्रेमनारायण पाटीदार, कमलेश्वर सिंह, मनीष गुर्जर, पंकज जायसवाल, जीवन बोरिया, संजय पटेल, शिवरामसिंह रघुवंशी, बूथ अध्यक्ष महेश राणावत सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रकाश तारोदिया ने किया।

विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय श्री राज राजेंद्र सूरी शताब्दी जैन पब्लिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बदनावर में , आज दिनांक 5 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं द्वारा पौधा रोपण किया गया। विद्यालय के क्क ऋह श्री लाखन सिंह चावड़ा सर के द्वारा बताया गया कि , विश्व पर्यावरण दिवस हर वर्ष 5 जून को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत संयुक्त राष्ट्र संघ (हह) द्वारा वर्ष 1972 में पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से की गई थी। इस दिन का मुख्य उद्देश्य लोगों को पेड़-पौधे लगाने, जल संरक्षण करने, प्रदूषण कम करने और प्रकृति की रक्षा के लिए प्रेरित करना है। बढ़ते प्रदूषण, जंगलों की कटाई और ग्लोबल वार्मिंग के कारण पर्यावरण को बहुत नुकसान हो रहा है। इसलिए हमें पर्यावरण बचाने के लिए मिलकर प्रयास करना चाहिए।

हम छोटे-छोटे कदम उठाकर पर्यावरण की रक्षा कर सकते हैं, जैसे-

अधिक से अधिक पेड़ लगाना
प्लास्टिक का कम उपयोग करना
पानी और बिजली बचाना
स्वच्छता बनाए रखना
संदेश- स्वच्छ पर्यावरण ही स्वस्थ जीवन का आधार है।

गांव की आंख, कान और धड़कन हैं तड़वी, सचिव एवं कोटवार प्रशासन और ग्रामीण समाज के बीच सेतु हैं सचिव एवं कोटवार

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट एवं पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार की अध्यक्षता में पीएम श्री कॉलेज झाबुआ के ऑडिटोरियम में पेसा अधिनियम एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर जिले के सचिवों एवं कोटवारों की जिला स्तरीय बैठक सह संवाद कार्यक्रम आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीण प्रशासन को अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने, जनजातीय समुदाय के अधिकारों के संरक्षण, सुशासन, जल संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा सामाजिक सुधारों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए पेसा अधिनियम के संबंध में कलेक्टर ने कहा कि यह जनजातीय समुदाय के अधिकारों की रक्षा एवं ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने वाला महत्वपूर्ण कानून है। वर्ष 1996 में पारित इस कानून को मध्यप्रदेश में वर्ष 2023 में लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि ग्राम सभाओं को स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने के महत्वपूर्ण अधिकार प्राप्त हैं तथा ग्रामीण प्रशासन को मजबूत बनाने में पेसा अधिनियम की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि सचिव एवं कोटवार शासन और ग्रामीण समाज के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं तथा प्रशासन उन्हें साझेदार के रूप में देखता है। कलेक्टर ने कहा कि तड़वी, पटेल, सचिव एवं कोटवार मिलकर ऐसे गांवों का निर्माण करें जो विवादमुक्त एवं विकासोन्मुख हों। उन्होंने कहा कि सचिव एवं कोटवार केवल शासन के प्रतिनिधि ही नहीं, बल्कि गांव की आंख, कान और धड़कन हैं।

कलेक्टर ने कहा कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण एवं जनसुनवाई के माध्यम से जिले की प्रमुख समस्याओं को समझा गया है । जिले में पेयजल की समस्या का समाधान तथा जल संरक्षण समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री द्वारा भी जल संरक्षण का आह्वान किया गया है। नल-जल योजनाओं के प्रभावी संचालन के लिए स्रोत से लेकर अंतिम घर तक जल आपूर्ति व्यवस्था में आने वाली समस्याओं के समाधान हेतु पंचायत स्तर पर सामूहिक सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज प्रकृति का पूजक रहा है।

कैबिनेट मंत्री इंदर सिंह परमार ने जेठालाल चाय सेंटर का फिता काटकर किया शुभारंभ

मंत्री इंदर सिंह परमार जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया ने गुड़ की चाय की ली चुस्की

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया चाय तो शाजापुर जिला में करीब 15000 स्थान पर मिलती है लेकिन विश्व की सबसे प्रसिद्ध रजिस्ट्रेशन संस्था जेठालाल गुड चाय सेंटर की जितनी भी बात की जाए उतनी ही कम है ग्राम रसलपुर गांव के निवासी दीपक सिंह हाडा जनपद सदस्य महेंद्र सिंह हाडा द्वारा सुजालपुर के प्रेम नगर स्थित जेठालाल चाय सेंटर का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया था जहां शुभारंभ अवसर पर मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री इंदर सिंह परमार शाजापुर जिला पंचायत के अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया सहित सो जाती बंधु बड़ी संख्या में शामिल हुए मंत्री इंदर सिंह परमार ने जेठालाल चाय सेंटर का फिता काटकर शुभारंभ कर संचालक दीपक सिंह हाड़ा महेंद्र सिंह हाडा को माला पहनाकर शुभकामना अर्पित की

इस अवसर पर बड़ी संख्या में नगर एवं क्षेत्रवासी मौजूद थे

चाय की चुस्की लेते हुए क्षेत्रवासियों से मंत्री जी ने की चर्चा - यह जेठालाल चाय सेंटर का शुभारंभ करने के लिए पहुंचे मंत्री इंदर सिंह परमार ने परिवार जनों को न्यू प्रतिष्ठान की शुभकामनाएं देते हुए नगर एवं क्षेत्र के कार्यकर्ताओं से चाय की चुस्की के साथ मुलाकात की मंत्री श्री परमार ने दुकान संचालक से कहा कि आपको ढेर सारी शुभकामना देते हुए कहा बाबा महाकालेश्वर की कृपा आप पर बनी रहे ईमानदारी के साथ बिजनेस करना ईश्वर एक दिन आपको यह छोटी सी दुकान विशाल रूप धारण करलगी।

समाजसेवी एवं रिटायर्ड पटवारी नगजीराम तंवर की छठी पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाजसेवी एवं रिटायर्ड पटवारी स्व नगजीराम तंवर की छठी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिजनों, एवम रिश्तेदारों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया। स्वर्गीय नगजीराम तंवर कलोता विद्यापीठ के संस्थापक सदस्य थे उन्होंने अपने सेवाकाल में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा की मिसाल कायम की। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहे तथा समाजहित में उनका योगदान सदैव प्रेरणादायक रहेगा।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना पर कार्यशाला आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिका परिषद झाबुआ के सभा कक्ष में 05 जून 2026 को दोपहर 2:00 बजे प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के संबंध में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य ऐसे कर्मचारियों को योजना की जानकारी प्रदान करना था, जिन्हें वर्तमान में भविष्य निधि (पीएफ), राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) अथवा अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं हो रहा है। कार्यशाला में उपस्थित कर्मचारियों को प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के उद्देश्य, पात्रता, लाभ एवं पंजीयन प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

भाजपा राज में जंगल बना प्रसूति कक्ष, आरोग्य केंद्र पर लटका रहा ताला : अजयसिंह रघुवंशी

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नेपानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मांडवा में शुक्रवार सुबह दिल-दहला देने वाला मामला सामने आया है। प्रसव पीड़ा के चलते मांडवा निवासी 35 वर्षीय मीराबाई पति भूलसिंग महिला ने जंगल में एक नवजात बच्चे को जन्म दिया। लंबे समय तक महिला जंगल में बेहोश अवस्था में पड़ी रही।उक्त मामले ने साबित कर दिया की प्रदेश की भाजपा सरकार पूरी तरह से नाकाम सिद्ध हो रही है, और उसकी हर योजना महज कागजो पर और सोशल मिडिया के लायक ही बची है।

उक्त आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता अजयसिंह रघुवंशी ने प्रदेश सरकार की योजनाओं और प्रश्न लगाते हुए स्थानीय भाजपा के जनप्रतिनिधिओ पर भी सवाल खडे किये, श्री रघुवंशी ने कहा की जिले के सांसद, और विधायकों द्वारा प्रतिदिन करोडो के विकास की महज घोषणाएं की जाती है किन्तु धरातल पर सब जीरो है, केवल विज्ञप्तिओ के माध्यम से ही प्रदेश का विकास करने मे लगे हे सब के सब जबकि आज समस्याओ की हकीकत सामने आने पर पता चल रहा है की क्या विकास हो रहा है जिले मे कही तो जनता पानी को तरस रही है तो कही स्वास्थ्य सुविधाओं को, पता चला है की

महिला के साथ में 3-4 वर्ष की बेटी भी मौजूद थी। इसके बाद वहां से गुजर रहे मांडवा निवासी एकलव्य भारतीय ओर उनकी मां किरण बाई किशोर ने महिला को देखा। वे पहले उसे आरोग्यम केंद्र मांडवा (बोमलियापाठ) ले गए। लेकिन वहां पर ताला लटका मिला। जिसके बाद महिला को सीवल स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचाया गया। जिसके पश्चात यहां पर चिकित्सकों ने महिला का प्राथमिक उपचार शुरू किया। तथा यहां पर महिला का प्राथमिक उपचार किए जाने के बाद उन्हें बुरहानपुर रेफर किया गया है। एकलव्य भारतीय ने बताया है कि मांडवा का आरोग्यम केंद्र को बने हुवे लगभग 5 वर्ष पूर्ण हो चुके है किंतु इतना समय होने के बाद भी यहां पर किसी भी प्रकार की सुविधा मूलभूत रूप से उपलब्ध नहीं है तथा वह लंबे समय से फिर भी बंद है तथा यहां पर कोई भी डॉक्टर मौजूद नहीं रहता है भले ही सरकार ने यहां पर उपस्वास्थ्य केंद्र बना दिया है लेकिन यहां पर इलाज नाम की कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं है। शासन ने यहां पर भले ही डॉक्टरों को पदस्थ कर रखा है लेकिन वे नाम मात्र के ही है इलाज संबंधित कोई भी उपकरण उपलब्ध नहीं होने के कारण वे आए दिन रोज अपनी ड्यूटी करके वापस घर की ओर लौट जाते है। जिस आरोग्य केन्द्र की यहां बात हो रही है वहा पर बिजली,पानी, पलंग, कुर्सी जैसी व्यवस्था नहीं है। उस आरोग्य केंद्र में एक महिला डॉक्टर पदस्थ है किंतु मूलभूत सुविधा न होने के कारण उन्हें अपनी ड्यूटी पंचायत भवन के पास बने हॉस्पिटल में रह कर करना पड़ता है। अकेली महिला डॉक्टर जंगल में बिना किसी कैमरे, जांच के उपकरण, और मूलभूत सुविधा के कैसे ड्यूटी कर सकती है।

श्री रघुवंशी ने कहा की विधायक सांसद से लेकर इनके मुख्यमंत्री तक केवल बड़बोले पन मे अपना समय व्यतीत कर रहें है इन्हे क्षेत्र के विकास कोई लेना देना नहीं है और सबसे बड़ी बात की कोई बड़ा मामला मिडिया के माध्यम से सामने आता भी है तो प्रशासन द्वारा उसे हल कर दबा दिया जाता है जिससे इन प्रतिनिधियों को जवाब नहीं देना पढ़ता।

श्री रघुवंशी ने आरोप लगाया की दवाखाने के नाम पर केवल कमीशन बाजी के चककर मे इन भाजपाइयों ने बिल्डिंगे तो बना दी किन्तु उसमे डॉक्टर एवं स्टॉफ कहा है इन्ही स्टॉफ की कमी के चलते जिले की स्वास्थ्य सुविधाएं बिगड़ी है, अतः इन बिल्डिंगो मे डॉक्टर की नियुक्ति की जावे बल्कि बुरहानपुर मे बहुत सारे बीयुएमएस एवं बीएएमएस डॉक्टर कि यहाँ नियुक्ति की जावे जिससे डॉक्टरो को रोजगार मिलेगा और जनता को स्वास्थ्य सुविधा।

कलेक्टर कार्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान के तहत अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया श्रमदान

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में आज कलेक्टर कार्यालय परिसर एवं कार्यालयीन उद्यान में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान कर परिसर की साफ-सफाई की तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ कार्य वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया।

श्रमदान कार्यक्रम के पूर्व उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात सभी ने सामूहिक रूप से परिसर की सफाई कर स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. भरसट ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने तथा नियमित रूप से अपने कार्यस्थल एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सप्ताह में कुछ समय स्वच्छता के लिए समर्पित करते हुए श्रमदान करना चाहिए, जिससे स्वच्छ, सुंदर एवं सकारात्मक कार्य संस्कृति का निर्माण हो सके।

इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे तथा स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाई।

महाकाल की भस्म आरती में 'प्रोटोकॉल सिंडिकेट'

2500 रुपए में बिक रही थी परमिशन- एक आरोपी हिरासत में, मुख्य सरगना फरार

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर की भस्म आरती में दर्शन कराने के नाम पर चल रहे प्रोटोकॉल नेटवर्क का बड़ा खुलासा हुआ है। मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक की आधी रात की औचक जांच में सामने आया कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं से प्रति व्यक्ति 2500 रुपए लेकर भस्म आरती की अनुमति दिलाई जा रही थी। मामले में एक आरोपी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है, जबकि पूरे खेल का कथित मास्टरमाइंड अभी फरार है।

शुक्रवार देर रात मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक स्वयं दर्शनार्थियों की कतार में पहुंचे और अनुमति पत्रों की जांच शुरू की। इसी दौरान दिल्ली से आए तीन युवकों ने बताया कि उन्होंने भस्म आरती की तीन परमिशन के लिए कुल 7500 रुपए चुकाए हैं। श्रद्धालुओं ने खुलासा किया कि हर्षित जैन नामक व्यक्ति ने फोन पर उनसे संपर्क कर कन्फर्म परमिशन दिलाने का भरोसा दिया था।

प्रोटोकॉल के नाम पर चल रहा था खेल- प्राथमिक जांच में सामने आया है कि परमिशन सामान्य प्रक्रिया से नहीं बल्कि प्रोटोकॉल व्यवस्था के जरिए बनाई गई थी। यही वजह है कि अब जांच का फोकस केवल दलालों तक सीमित नहीं रहकर उस नेटवर्क तक पहुंच गया है, जो प्रोटोकॉल की सुविधा का दुरुपयोग कर रहा है। महाकाल मंदिर से जुड़े विश्वसनीय

सूत्रों के मुताबिक मंदिर समिति द्वारा मीडिया संस्थानों के अलावा विभिन्न संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों और संगठनों को दी गई अनुशंसा व्यवस्था कुछ लोगों के लिए कमाई का जरिया बन गई है। इसी नेटवर्क के जरिए श्रद्धालुओं को आसान दर्शन का लालच देकर मोटी रकम वसूली जा रही थी।

पुजारियों से संपर्क रखने वाले युवक की भूमिका जांच के घेरे में- पुलिस की गिरफ्त में आए रजत शर्मा ने पूछताछ में बताया कि उसका काम श्रद्धालुओं को लाना और अनुमति मिलने के बाद उन्हें गेट तक पहुंचाना था। रुपए का लेनदेन और परमिशन की व्यवस्था हर्षित जैन करता था। सूत्रों के अनुसार रजत शर्मा के मंदिर से जुड़े कुछ पुजारियों और अन्य लोगों से भी संपर्क बताए जा रहे हैं। इसी कड़ी को जोड़कर पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि भस्म आरती परमिशन का यह नेटवर्क आखिर कितनी गहराई तक फैला हुआ है और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं।

पहले भी सामने आ चुके हैं ऐसे मामले- भस्म आरती के नाम पर अवैध वसूली का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी फर्जी बुकिंग और अधिक राशि लेकर परमिशन दिलाने के मामले उजागर हो चुके हैं। हालिया घटनाओं के बाद मंदिर समिति ने व्यवस्था सख्त करते हुए तय किया है कि अब प्रतिदिन भस्म आरती से पहले बाहरी श्रद्धालुओं से पूछताछ की जाएगी और परमिशन की पूरी प्रक्रिया की जांच होगी।

मुख्य आरोपी की तलाश जारी- महाकाल थाना पुलिस ने हर्षित जैन और रजत शर्मा के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। रजत पुलिस हिरासत में है, जबकि मुख्य आरोपी हर्षित जैन की तलाश की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा।

सवालों के घेरे में प्रोटोकॉल व्यवस्था- ताजा घटनाक्रम ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाई गई प्रोटोकॉल व्यवस्था कहीं कुछ लोगों के लिए कमाई का माध्यम तो नहीं बन गई? जांच एजेंसियों की नजर अब उन कड़ियों पर भी है, जिनके जरिए भस्म आरती जैसी सीमित और विशेष अनुमति का कथित तौर पर व्यापार किया जा रहा था।

बाइक सवार युवक के पास मिला नकली सिगरेट का जखीरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गोल्ड फैल्क कंपनी की नकली सिगरेट बाजार में खपाने निकले युवक को पुलिस ने हिरासत में लिया है। युवक के पास से 500 पैकेट बरामद किये गये है। कंपनी के सुपरवाईजर की जांच के बाद मामले में युवक के खिलाफ कॉपी राईट एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया।

माधवनगर थाना एसआई सालगराम चौहान ने बताया कि सर्कल भ्रमण के दौरान सूचना मिली थी कि बाइक सवार एक युवक जीरो पाइंट ब्रिज के नीचे नकली सिगरेट का बेग लेकर खड़ा है। जो बाजार में खपाने की फिराक में घूम रहा है। युवक की तलाश में जीरो पाइंट ब्रिज पहुंचकर उक्त युवक की पहचान कर उसे हिरासत में लिया और पूछताछ की गई। युवक का नाम गोविंद पिता संतोष खींची निवासी ग्राम आक्या थाना बैरछा शाजापुर हाल मुकाम वर्माजी का कुआ पंवासा सामने आया। उसके पास से बैग में रखी गोल्ड फैल्क कंपनी की सिगरेट के संबंध में दस्तावेज मांगे गये। गोविंद दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा पाया। सिगरेट के असली और नकली की पहचान करने के लिये आईटीसी गोल्ड फैल्क कंपनी के सेल्स डिस्ट्रीब्यूटर महेश्वरी मार्केटिंग फीगंज के सुपरवाइजर मुकेश बडोनिया से संपर्क किया गया और थाने बुलाया गया। जिसके आने पर सामने आया कि सिगरेट नकली है, जो हूबहू कंपनी के जैसी है। कंपनी के पैकेट और लेबल का उपयोग कर बाजार में नकली सिगरेट बेची जा रही है। एसआई सालगराम चौहान के अनुसार नकली सिगरेट के 10 बॉक्स में भरे 500 पैकेट बरामद होने पर युवक के खिलाफ कॉपी राइट एक्ट का प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया गया है। इस बात का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि सिगरेट कहां से लेकर आया था और कहां बेची है। युवक की बाइक और मोबाइल भी जप्त किया गया है।

यात्री बसों में सुरक्षा के इंतजामों की हो रही अनदेखी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास गेट तथा नानाखेड़ा बस स्टेण्ड से रोजाना 200 से अधिक यात्री बसों का संचालन हो रहा है। इनमें ज्यादातर बसों में यात्रियों के आपातकालीन परिस्थिति में बाहर निकलने के लिए कोई इंतजाम नहीं है। ज्यादातर बसों में केवल एक ही दरवाजा है। आपातकालीन व्यवस्था के लिए खिड़कियां भी नहीं है। आरटीओ और यातायात पुलिस विभाग इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि धार्मिक नगरी उज्जैन में महाकाल लोक बनने के बाद से पर्यटकों की संख्या बढ़ गई है। स्थानीय लोग भी हजारों की संख्या में रोज उज्जैन से बाहर आना-जाना करते हैं। इनमें आंचलिक रूट की बसों के अलावा उज्जैन- देवास तथा उज्जैन -इंदौर रूट की भी सैंकड़ों बसें चलती है। इस रूट पर चलने वाली अधिकांश बसें तेज गति से दौड़ाई जाती है। तय सुरक्षा मापदंडों के अनुसार बसों में आपात स्थिति के दौरान यात्रियों को बाहर निकलने की व्यवस्था होनी चाहिए। इनमें दो दरवाजे अथवा एक आपातकालीन खिडक़ी बस में होना चाहिए, परंतु इंदौर, उज्जैन और देवास रूट की बसों में अधिकांश में केवल एक ही दरवाजा बसों में नजर आ रहा है। आपातकालीन खिड़कियां भी इन बसों में नहीं है। इनके अलावा लंबी दूरी की बसों में भी इन नियमों का पालन नहीं हो रहा है। यातायात पुलिस द्वारा भी यात्री बसों में साफ नजर आ रही नियमों की अनदेखी के खिलाफ कोई अभियान नहीं चलाया जा रहा और यात्री एक दरवाजे की बस में अपनी जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबू रहैं।

महाकाल दर्शन करने आ रही महिला की हादसे में मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार सुबह इंदौर रोड पर हादसे में महाकाल दर्शन करने आ रही महिला की मौत हो गई। बहन का लड़का बाइक चला रहा था। रफ्तार पर नियंत्रण नहीं रख पाने के चलते बाइक डिवाइडर से टकरा गई थी। दुर्घटना की जानकारी लगते ही परिवार के लोग उज्जैन पहुंच गए थे।

ललितपुर की रहने वाली राजकुमारी पति सत्यनारायण साहू 55 साल कुछ दिन पहले इंदौर के भवानी नगर में रहने वाली अपनी बहन के घर आई थी। जहां उन्होंने महाकाल दर्शन की इच्छा जताई। सुबह बहन का लड़का रितिक साहू अपनी मौसी को बाइक से महाकाल दर्शन कराने के लिए उज्जैन लेकर आ रहा था। सुबह 7 बजे के लगभग इंदौर रोड स्थित निनौरा के समीप अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से जा टकराई। दुर्घटना में बाइक पर पीछे बैठी राजकुमार साहू गिरकर गंभीर घायल हो गई। पीछे ही कुछ रिश्तेदार और बाइक से आ रहे थे जिन्होंने हादसा देखा तो तत्काल राजकुमारी और रितिक को अस्पताल पहुंचाया जहां परीक्षण के बाद डॉक्टरों ने राजकुमारी को मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी लगते ही परिवार उज्जैन पहुंच गया था। नानाखेड़ा पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया।

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर- भैरवगढ़ क्षेत्र का रहने वाला बलराम पिता सिद्धूजी 45 साल मजदूरी करता था। रात में उन्हेल रोड से घर लौट रहा था। उसी दौरान अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में मौके पर ही बलराम की मौत हो गई। भैरवगढ़ पुलिस द्वारा सूचना मिलने पर घटना स्थल से शव अस्पताल पहुंचाया। उसके पास मिले दस्तावेजों से पहचान कर परिजनों को सूचना दी गई। पुलिस मार्ग पर लगे कैमरों के माध्यम से टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश कर रही है।

सिंहस्थ में रेलवे सुरक्षा के लिए जीआरपी ने मांगा 6 हजार अतिरिक्त बल

30 करोड़ श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए तैयारी तेज- फ्लैग स्टेशनों पर बनेंगे अस्थायी थाने

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 के लिए रेलवे सुरक्षा व्यवस्था को अभेद बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। करोड़ों श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए जीआरपी ने 6 हजार अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की है। प्रस्ताव तैयार कर उच्च कार्यालय को भेज दिया गया है। यह अतिरिक्त बल उज्जैन सहित आसपास विकसित किए जा रहे फ्लैग स्टेशनों, प्लेटफॉर्म और यात्री होल्डिंग एरिया की सुरक्षा संभालेगा।

सिंहस्थ-2028 में करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इसी को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा लगभग 7,800 विशेष ट्रेनें चलाने की योजना बनाई जा रही है। ट्रेनों और यात्रियों की भारी संख्या को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था सबसे बड़ी चुनौती मानी जा रही है। वर्तमान में उज्जैन जीआरपी थाने में केवल 45 पुलिसकर्मी पदस्थ हैं, जबकि सिंहस्थ के दौरान हजारों अतिरिक्त जवानों की जरूरत पड़ेगी।

2 दिन पूर्व रेलवे पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल ने डीएसपी ज्योति शर्मा के साथ उज्जैन रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया था। उन्होंने स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों, पार्किंग, फुट ओवर ब्रिज और श्रद्धालुओं के लिए बनाए जा रहे होल्डिंग एरिया का जायजा लिया था। साथ ही जीआरपी थाना प्रभारी अमित भावसार से बल, संसाधन और सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की थी।

जीआरपी के अनुसार नईखेड़ी, पिंगलेश्वर, मोहनपुरा, पंवासा, चिंतामन और विक्रमनगर में बनाए जा रहे फ्लैग स्टेशनों पर अस्थायी थाने स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक थाने में 100 पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी, जो अलग-अलग शिफ्ट में सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। सुरक्षा बल को बॉडीवॉर्न कैमरों सहित अत्याधुनिक उपकरणों से लैस किया जाएगा ताकि भीड़ प्रबंधन और निगरानी प्रभावी ढंग से की जा सके।

जीआरपी थाना प्रभारी अमित भावसार ने बताया कि सिंहस्थ-2028 की सुरक्षा तैयारियों के तहत 6 हजार अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की गई है। प्रस्ताव तैयार कर संबंधित कार्यालय को भेज दिया गया है।

दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने के लिए नस्ल सुधार अत्यंत आवश्यक

स्मार्ट फिश पार्लर का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन हो

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल की अध्यक्षता में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक के द्वितीय सत्र में पशु पालन, पशु चिकित्सा एवं मत्स्य पालन की समीक्षा की गई। बैठक में प्रमुख सचिव पशुपालन एवं पशु चिकित्सा श्री उमाकांत उमराव, प्रबंध निदेशक म.प्र मत्स्य महासंघ श्री अनुराग चौधरी, संभागायुक्त श्री आशीष सिंह और संभाग के समस्त जिलों के कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में पशुपालन एवं पशु चिकित्सा की संभागीय समीक्षा के दौरान प्रमुख सचिव श्री उपराव ने पावर पॉइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से विभागीय गतिविधियों की विस्तार से चर्चा की। संभाग के समस्त जिलों के कलेक्टर्स द्वारा पशुपालन के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी प्रदान की गई।

कलेक्टर उज्जैन श्री रौशन कुमार सिंह ने बताया कि सेक्स सॉर्टेड सिमन में इस बार उज्जैन जिले का लक्ष्य 1 लाख निर्धारित किया गया है। सीईओ जिला पंचायत उज्जैन श्री श्रेयांस कूमट ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में मिल्क एटीएम बनाए जाएंगे। इसमें चलित एटीएम वाहन के माध्यम से दुग्ध प्रदाय किया जाएगा। इसकी सप्लाय चेन भी बनाई जाएगी। यह कार्य उज्जैन सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित और स्थानीय एनजीओ के सहयोग से किया जाएगा।

प्रमुख सचिव श्री उमराव ने कहा कि हमारे प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने के लिए नस्ल सुधार अत्यंत आवश्यक है। हमें पशुओं के संतुलित आहार पर भी विशेष ध्यान देना होगा। हरे चारे के उत्पादन को बढ़ाना होगा। सहकारी समिति और स्वसहायता समूह के साथ समन्वय स्थापित कर उन्नत हरा चारा उगवाना होगा। पशु चिकित्सक अनिवार्य रूप से पशु चिकित्सालय में उपस्थित रहें अन्यथा उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। हिरण्य गर्भ अभियान के अंतर्गत कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ावा दिया जाए।

बैठक में जानकारी दी गई कि कृत्रिम गर्भाधान में उज्जैन संभाग में अच्छा कार्य किया गया है। नस्ल सुधार के अंतर्गत मैत्री कार्यकर्ता निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति करें अन्यथा उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाए। सक्रिय मैत्री कार्यकर्ताओं को पहचान पत्र जारी किए जाए। क्षीर धारा ग्राम योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक गांवों को शामिल किया जाए। इनमें विभागीय समन्वय बेहद आवश्यक है। ब्रीडर संघ का गठन किया जाए। पशुपालकों को इसमें जोड़ा जाए।

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए दुधारु पशुओं को संतुलित पोषण आहार दिया जाए। इसके लिए शासन द्वारा गोरस ऐप बनाया गया है। इसके माध्यम से पशुपालकों को पशु के लिए संतुलित आहार के बारे में संपूर्ण जानकारी दी जाएगी। बैठक में डॉ. अंबेड़कर कामधेनु योजना और चलित पशु इकाई की भी समीक्षा की गई।

मत्स्य पालन विभाग की समीक्षा के दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त श्री वर्णवाल ने निर्देश दिए कि जिलों में जिला पंचायत के पास ऐसे जलाशय का चिन्हांकन किया जाए जिनका क्षेत्रफल 100 से 1000 हेक्टेयर हो तथा लगभग 15 फीट गहराई हो उनका सर्वे किया जाए और इनमें मत्स्य पालन को प्रोत्साहित किया जाए। इसमें युवा वर्ग को अधिक से अधिक शामिल किया जाए और उन्हें मत्स्य पालन से होने वाले लाभ के बारे में बताया जाए।

कुवैत एयरपोर्ट पर गिरे मलबे ने छीन ली जिंदगी... दोस्त ने सुनाई हादसे की दर्दनाक कहानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कुवैत अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर हुए मिसाइल हमले में जान गंवाने वाले उज्जैन निवासी मंजूर अहमद उर्फ शौक भाई (50) का शव शुक्रवार को उनके गृह नगर पहुंचा। शव के उज्जैन पहुंचते ही राजरायल कॉलोनी स्थित घर पर परिजनों, रिश्तेदारों और समाजजनों की भीड़ उमड़ पड़ी। बाद में बेगमपुरा कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। मृतक के साथ कुवैत में रहने वाले मूल रूप से रतलाम निवासी उनके मित्र मकसूद रेवानी ने हादसे की दर्दभरी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि घटना वाले दिन वह भी फ्लाइट से भारत आने वाले थे, लेकिन मंजूर अहमद की उड़ान सुबह और उनकी शाम को थी। मकसूद उन्हें एयरपोर्ट छोड़कर लौट आए थे। करीब ढाई घंटे बाद उन्हें हमले और मंजूर की मौत की सूचना मिली। मकसूद के अनुसार मिसाइल एयरपोर्ट की छत को तोड़ते हुए अंदर गिरी थी। विस्फोट के बाद छत और फर्श का भारी मलबा मंजूर अहमद की छाती पर आ गिरा, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मंजूर अहमद पिछले लगभग 30 वर्षों से कुवैत में टेलरिंग का काम कर रहे थे और परिवार के लिए आजीविका जुटा रहे थे। परिजनों के अनुसार हमले के बाद कुवैती प्रशासन ने बताया कि मंजूर के कई दस्तावेज भी नष्ट हो गए। उनकी पत्नी और बच्चे उज्जैन के राजरायल कॉलोनी क्षेत्र में रहते हैं। मंजूर अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र और दो पुत्रियों का परिवार छोड़ गए हैं। दोनों पुत्रियों का विवाह हो चुका है।

गिनीज बुक रिकॉर्ड के लिए 14 जून को होगा ऑनलाइन योग महाअभियान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में चल रही 100 दिवसीय काउंटडाउन श्रृंखला के तहत 14 जून को उज्जैन सहित देशभर में एक विशेष ऑनलाइन योग सत्र आयोजित किया जाएगा। आयुष मंत्रालय भारत सरकार एवं हेबिल्ड हेल्थ टेक प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में होने वाला यह कार्यक्रम सुबह 6:15 बजे से 7:35 बजे तक चलेगा। इस योग सत्र का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ते हुए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए सहभागिता सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में शामिल होने के इच्छुक नागरिक टोल फ्री नंबर 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। प्रशासन ने सभी शासकीय विभागों, संस्थाओं और सामाजिक संगठनों से अपील की है कि वे अपने कर्मचारियों, सदस्यों और आमजन को इस योग अभियान से जोड़ने के लिए प्रेरित करें। आयोजकों का कहना है कि यह आयोजन योग के माध्यम से स्वास्थ्य, एकता और जनजागरूकता का संदेश देने के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

बाढ़, भूकंप, आगजनी और भगदड़ जैसी आपदाओं से निपटने की दी जा रही ट्रेनिंग

आपदा मित्र योजना के तहत 170 युवाओं का चौथा बैच प्रशिक्षण में शामिल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में किसी भी आपदा की स्थिति में तत्काल राहत और बचाव कार्य के लिए युवाओं की विशेष टीम तैयार की जा रही है। युवा आपदा मित्र योजना के तहत जिले में कुल 800 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे चरण में वर्तमान में 170 युवा आपदा मित्रों को व्यवहारिक और सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के सहयोग से संचालित इस योजना में मध्यप्रदेश के 11 जिलों का चयन किया गया है। उज्जैन में चार चरणों में युवाओं को आपदा प्रबंधन की बारीकियां सिखाई जा रही हैं। प्रशिक्षण के चौथे दिन अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी अतेन्द्र सिंह गुर्जर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश को विकसित और आपदा मुक्त बनाने में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। बड़ी संख्या में छात्राओं की भागीदारी महिलाओं की बढ़ती जागरूकता और क्षमता का परिचायक है।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव साझा किए। एडीएम गुर्जर ने आपदा मित्रों को आपदा प्रबंधन किट भी वितरित की। वहीं जिला कमांडेंट होमगार्ड संतोष कुमार जाट ने बताया कि प्रशिक्षण में बाढ़, भूकंप, भू-स्खलन, मेडिकल इमरजेंसी, आगजनी और भगदड़ जैसी परिस्थितियों में राहत एवं बचाव के तरीके सिखाए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षित आपदा मित्र आगामी सिंहस्थ-2028 सहित जिले में आने वाली किसी भी आपदा के दौरान प्रशासन के सहयोगी बनकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। युवाओं को शारीरिक दक्षता के साथ मानसिक रूप से भी आपदा प्रबंधन के लिए तैयार किया जा रहा है।

बिहार के लापता इंजीनियर की 5 दिन बाद मिली लाश

सड़क हादसे की आशंका, पुलिस ने दर्ज की थी गुमशुदगी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। क्रेशर स्टोन मशीन की शिफ्टिंग के लिए बिहार से आया इंजीनियर 5 दिन पहले लापता हो गया था, जिसकी लाश शनिवार सुबह सड़क किनारे पुलिया के पास सुखे गड्ढे में पड़ी मिली। लाश को जानवरों ने नोंच लिया था जिसके चलते लाश क्षत-विक्षत हालत में हो चुकी थी। पुलिस में दुर्घटना की आशंका जताई है मामले में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया है।

नरवर थाना पुलिस ने बताया कि सुबह ग्राम केसुनी के सुनसान मार्ग पर सूखे नालेनुमा गड्ढे से दुर्गंध आने पर कुछ लोगों ने देखा तो एक्टिवा सहित एक युवक का कंकाल पड़ा होना सामने आया। मामले की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी बल्लू मंडलोई टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। मृतक की बॉडी बाहर निकाली गई। मृतक की पहचान संजीव पिता सुधीर पंडित निवासी नालंदा बिहार के रूप में हुई। मृतक पिछले 5 दिन से लापता था। जिसकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। थाना प्रभारी के अनुसार मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है एक्टिवा से गुजरते समय ग्रामीण क्षेत्र के मार्ग पर अज्ञात वाहन द्वारा संभवत टक्कर मारी गई होगी जिसके चलते एक्टिवा सहित सूखे नाले में गिरने से मौत हुई है। शव पांच दिन पुराना होने और गर्मी बारिश की वजह से उसकी त्वचा झुलस गई थी। साथ ही जानवरों द्वारा शव को क्षत-विक्षत किया गया है जिसके चलते कंकाल के रूप में तब्दील हो चुका था।

पुलिस के अनुसार मृतक पिपलोदा द्वारकाधीश में कुलदीप के यहां गिट्टी खदान पर इंजीनियरिंग का काम करने आया था। जानकारी सामने आई है कि गिट्टी खदान पर मशीन को शिफ्ट किया जाना था जिसके चलते उसे 30 मई को बुलाया गया था। लेकिन वह लापता हो गया था। संजीव के लापता होने और परिजनों से संपर्क नहीं होने पर परिवार के लोग भी उज्जैन पहुंच गए थे। परिजनों ने ही उसकी 3 जून को गुमशुदगी दर्ज कराई थी। फिलहाल मामले में मर्ग कायम किया गया है शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। मौत की सही वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सामने आ पाएगी।

ड्रग्स तस्करी में फरार बदमाश के गिरफ्त में आने पर निकाला जुलूस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक माह से फरार ड्रग्स तस्कर को गुजरात से गिरफ्तार करने के बाद रात में पुलिस ने उसका क्षेत्र में जुलूस निकाला। तस्कर अपने चाचा और भाई के साथ मिलकर मादक पदार्थ सप्लाय करने का काम करता था। पुलिस तस्कर से रिमांड पर पूछताछ कर रही है। उसने राजस्थान के अमजद लाला से मादक पदार्थ लाना कबूल किया है। अप्रैल माह में पुलिस ने गरोठ ब्रिज के नीचे से कुख्यात बुंदेला गैंग के धम्मू उर्फ धर्मेन्द्र बुंदेला को 28 ग्राम ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया था जिसने काला उर्फ जयेन्द्र बुंदेला से ड्रग्स लेना बताया था। काला को भी पुलिस ने आरोपी बनाकर तलाश शुरू की थी लेकिन वह फरार चल रहा था जिसे दो दिन पहले गुजरात के द्वारका से गिरफ्तार कर उज्जैन लाया गया। चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि काला बुंदेला को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया है जिसका रात में शिवशक्ति नगर क्षेत्र में जुलूस निकाला गया। वहीं उसकी तलाशी ली गई। काला बुंदेला ने पूछताछ में अपने भाई यशवेन्द्र बुंदेला उर्फ छिंगा के साथ मिलकर अवैध हथियार और मादक पदार्थ की तस्करी करना कबूल किया है। उसने राजस्थान के डग में रहने वाले अमजद लाला से ड्रग्स लाना कबूल किया है। अमजद और अन्य आरोपी की तलाश में एक टीम राजस्थान रवाना की गई है। छिंगा अवैध हथियार के मामले में निम्बाहेड़ा पुलिस की गिरफ्त में है जिसे जल्द उज्जैन लाकर पूछताछ की जाएगी। फिलहाल काला बुंदेला से पूछताछ कर अवैध मादक पदार्थ से जुड़े लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है।

बीमारी से परेशान वृद्ध ने दुपट्टे से लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीमारी से परेशान वृद्ध ने बेटी के दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दरवाजा बंद होने पर पत्नी ने खिड़की से देखा तो पति फंदे पर लटका हुआ था। शनिवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर मामला जांच में दिया है। पंवासा थाना पुलिस ने बताया की बीती शाम शंकरपुर में 60 साल के वृद्ध द्वारा घर में फांसी लगाये जाने की सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची थी। घटनास्थल पर मृतक का नाम नाम सुरेश पिता कन्हैयालाल कुकड़े सामने आया है। पत्नी रंजना ने बताया कि दरवाजा नहीं खुलने पर खिड़की से देखा तो पति फंदे पर लटका हुआ था आसपास के लोगों को बुलाकर दरवाजा तोड़ा गया और नीचे उतारा। पत्नी के अनुसार पति लंबे समय से बीमार चल रहे थे उनका उपचार भी जारी था वहां बीमारी के चलते तनाव में रहने लगे थे संभवत इसी के चलते दुपट्टे से फांसी लगाई है। परिवार में एक बेटा और एक बेटी है बेटा इंदौर में रहता है और बेटी परीक्षा देने गई हुई थी। परिजनों ने बताया कि मृतक की पत्नी प्राइवेट स्कूल में शिक्षिका है। पुलिस के अनुसार मामले में मर्ग कायम किया गया है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

जीवन रक्षा की दिशा में मध्यप्रदेश की अभिनव पहल

24/7 पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा

जहां हर पल कीमती हो यह सेवा देती है जीवन की उम्मीद

टोल फ्री नं.
18004199006

सुविधा किसके लिए है

- **आपात स्थिति विशेषकर**
  सड़क एवं औद्योगिक दुर्घटना में गंभीर घायल
- **बीमारी की गंभीर अवस्था**
  नवजात शिशु, बच्चे, अंग प्रत्यारोपण, हृदय संबंधी आदि मामले

शुल्क

- आयुष्मान कार्ड धारक के लिए प्रदेश के भीतर तथा प्रदेश के बाहर शासकीय एवं आयुष्मान सम्बद्ध अस्पताल में निःशुल्क परिवहन
- गैर आयुष्मान कार्ड धारक के लिए प्रदेश के भीतर शासकीय अस्पताल में निःशुल्क लेकिन प्रदेश के बाहर अनुबंधित दर पर परिवहन, विशेष परिस्थियों में नि:शुल्क सुविधा
- अनुबंधित दर - ₹ 1,94,500 प्रति घंटा एवं ₹ 1,78,900 प्रति घंटा

अनुमति कैसे मिलेगी

- चीफ मेडिकल ऑफिसर/ शासकीय चिकित्सालय के डीन द्वारा अनुमोदन
- जिला कलेक्टर/कमिश्नर हेल्थ/ संचालनालय, चिकित्सा शिक्षा द्वारा स्वीकृति

एयर एम्बुलेंस में सुविधाएं

- क्रिटिकल चिकित्सा राहत एवं रात्रि परिवहन हेतु अनुभवी एवं दक्ष पायलेट
- उच्च प्रशिक्षित चिकित्सक एवं पैरामेडिकल टीम
- वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सपोर्ट, कार्डियक केस में लाइफ सेविंग सपोर्ट

निर्बाध सेवा और बैकअप व्यवस्था

- आपातकालीन सेवा के लिए 24×7 एयरक्राफ्ट तैनात
- तकनीकी खराबी या मेंटेनेंस की स्थिति में तुरंत बैकअप

बीमा सुरक्षा

- थर्ड पार्टी कवर
- हितग्राही बीमा
- मेडिकल सुरक्षा प्रावधान

मरीज को कहाँ ले जाया जा सकेगा

- राज्य के भीतर अथवा राज्य के बाहर सुपर स्पेशलिटी/उच्च चिकित्सा संस्थानों में

15 सितंबर 2025 को इंदौर में एक ट्रक हादसे में मेरी बेटी संस्कृति बेहद गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसे प्राथमिक इलाज के बाद मध्यप्रदेश सरकार द्वारा पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से इंदौर से एयरलिफ्ट कर मुंबई भेजा गया, जहां संस्कृति का सफल इलाज हुआ। आयुष्मान कार्ड धारक न होने के बावजूद भी हमारी बेटी का निःशुल्क इलाज संभव हुआ।

- श्री अशोक वर्मा, पिता

अब तक

140 लोगों ने लिया लाभ
50 से अधिक
सफल इमरजेंसी ऑपरेशन

D11028/26

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026